RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 12 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 11 डिग्री

शुक्रवार 14 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:43 बजे
सूर्यास्त सांय 17: 28 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

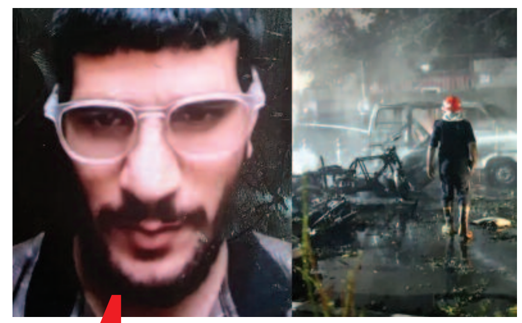

पृष्ठ 4 डॉक्टर कैसे बने आतंक के सौदागर?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 028 | गाजियाबाद, शुक्रवार 14 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बिहार में सुबह 8 बजे से मतगणना 4,372 काउंटिंग टेबल लगे

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8:00 बजे से शुरू होगी। चुनाव आयोग ने पारदर्शिता, सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार, पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्र) की गिनती सबसे पहले शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की मतगणना शुरू की जाएगी। पोस्टल बैलेट की गिनती संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर या असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर की उपस्थिति में उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों के सामने होगी।

बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर मतगणना के लिए व्यवस्था की गई है। हर क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर और एक काउंटिंग ऑब्जर्वर तैनात रहेगा।

परिणामों को राउंड-वाइज और विधानसभा-वार संकलित कर संबंधित आरओ की ओर से चुनाव आयोग के आधिकारिक परिणाम पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। ईवीएम गिनती के दौरान हर कंट्रोल यूनिट को टेबल पर लाया जाएगा और एजेंटों को दिखाया जाएगा कि उसकी सील और सीरियल नंबर में दर्ज विवरण से मेल खाते हैं या नहीं। अगर किसी बूथ में मतों की संख्या या रिकॉर्ड में कोई असमानता पाई जाती है, तो उस मतदान केंद्र की वीवीपैट पर्चियों की अनिवार्य रूप से गिनती की जाएगी। पूरे राज्य में 4,372 काउंटिंग टेबल्स लगाई गई हैं। प्रत्येक टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाइज़र, एक काउंटिंग असिस्टेंट और एक माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है। इसके अलावा 18,000 से अधिक काउंटिंग एजेंट, जो उम्मीदवारों की ओर से नियुक्त किए गए हैं, मतगणना प्रक्रिया की निगरानी करेंगे जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।

ईवीएम की गिनती पूरी होने के बाद हर विधानसभा क्षेत्र में पांच मतदान केंद्रों का यादृच्छिक चयन (रैंडम सिलेक्शन) किया जाएगा, जहां वीवीपैट पर्चियों का मिलान ईवीएम परिणामों से किया जाएगा। यह कार्य उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की मौजूदगी में होगा। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी पुनर्मतदान नहीं हुआ। 2,616 उम्मीदवारों और 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से किसी ने भी पुनर्मतदान की मांग नहीं की है।

इसी तरह विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान भी किसी जिले से कोई अपील दर्ज नहीं हुई। राज्य के सभी 38 जिलों में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुए। चुनाव आयोग ने कहा है कि 7,45,26,858 पंजीकृत मतदाताओं वाले बिहार में यह रिकॉर्ड आयोग की दक्षता और मतदाताओं की जागरूकता का प्रमाण है।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं, राजनीतिक दलों और मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे परिणामों की जानकारी केवल आयोग के आधिकारिक पोर्टल से प्राप्त करें। आयोग ने कहा है कि, 'किसी भी प्रकार की अफवाहों, अप्रमाणिक संदेशों या गैर-आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा न करें। सभी सटीक और प्रमाणित परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।'

आयोग के अनुसार, बिहार ने इस बार न केवल शांतिपूर्ण चुनाव का उदाहरण पेश किया, बल्कि 67.13 प्रतिशत मतदान के साथ लोकतंत्र के प्रति जनता की आस्था भी दर्शाई है।

व्हाट्सएप चैटबॉट सेवा से परिवहन सेवाएं अब होंगी और आसान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की व्हाट्सएप आधारित चैटबॉट सेवा (मोबाइल नंबर: 8005441222) के माध्यम से अब लोग घर बैठे ही परिवहन संबंधी अनेक सेवाओं एवं सूचनाओं का लाभ सहजता और पारदर्शिता के साथ प्राप्त कर सकते हैं।परिवहन विभाग के अनुसार इसका उद्देश्य नागरिकों को सरल, सुलभ एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

इस चैटबॉट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने मोबाइल पर ही ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, कर भुगतान, फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, और अन्य सेवाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।अब नागरिकों को किसी भी परिवहन कार्यालय में अनावश्यक रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

केवल मोबाइल नंबर 8005441222 को अपने व्हाट्सएप में सेव करें और "Hi" या "नमश्ते" लिखकर संदेश भेजें। चैटबॉट स्वत: ही आगे की प्रक्रिया में सहायता करेगा और संबंधित जानकारी कुछ ही क्षणों में उपलब्ध करा देगा।

परिवहन विभाग ने बताया कि यह सेवा 24x7 उपलब्ध रहेगी और उपयोगकर्ताओं को डिजिटल माध्यम से तेज, सुरक्षित एवं विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगी।

यह कदम 'डिजिटल इंडिया' अभियान के अनुरूप नागरिक सेवाओं को तकनीक के माध्यम से अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लाल किला विस्फोट : संदिग्धों से जुड़ी तीसरी कार की तलाश में जुटी सुरक्षा एजेंसियां

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷ । कई सुरक्षा एजेंसियां उस तीसरी कार की तलाश में हैं, जिसके लाल किला विस्फोट मामले से जुड़े होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोमवार शाम को लाल किले के पास एक सफेद रंग की हुंदै आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गयी थी और 30 अन्य घायल हो गए थे। जांचकर्ताओं ने बाद में एक दूसरी कार लाल रंग की 'फोर्ड इकोस्पोर्ट' का फरीदाबाद में पता लगाया था। बहरहाल, तीसरी कार का अभी तक पता नहीं चला पाया है। ऐसा संदेह है कि यह मारुति ब्रेजा कार है। सूत्र ने कहा, ''संदेह है कि लापता तीसरी कार का इस्तेमाल आरोपियों ने टोह लेने या भागने के लिए किया होगा। कई दल तीसरी कार की तलाश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मारुति ब्रेजा का पता लगाने के लिए दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के राज्यों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2025 की मेजबानी मिली छत्तीसगढ़ को

✷ वेबवार्ता. जगदलपुर ✷ । छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण है कि आगामी खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2025 की मेजबानी का दायित्व राज्य को सौंपा गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) नयी दिल्ली के उच्च श्तरीय निरीक्षण दल ने बश्तर जिले के धरमपुरा खेल परिसर और इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम का निरीक्षण कर इन्हें तीरंदाजी, एथलेटिक्स और मलखंभ जैसे पारंपरिक एवं प्रमुख खेलों के आयोजन के लिए उपयुक्त घोषित किया है। निरीक्षण दल ने जगदलपुर पहुंचकर गुरुवार सुबह खेल सुविधाओं, मैदान की गुणवत्ता, दर्शक दीर्घा, सुरक्षा एवं आवास व्यवस्था का गहन मूल्यांकन किया।

अमित शाह ने निर्यातकों के लिए 45,000 करोड़ रुपये की योजनाओं की सराहना की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने निर्यातकों की सहायता के लिए केंद्र सरकार के 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाओं को मंजूरी देने के फैसले की बृहस्पतिवार को सराहना की। इस पहल का मकसद निर्यातकों को उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से निपटने में मदद करना है।

शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के 25,060 करोड़ रुपये के 'निर्यात संवर्धन मिशन' को मंजूरी देने से भारत के निर्यात क्षेत्र को एक नई सहायता प्रणाली से मजबूती मिली है।

उन्होंने कहा, ''यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण की दिशा में एक मजबूत कदम है जिसके तहत भारतीय उत्पादों के वैश्वीकरण के माध्यम से निर्यात क्षेत्र को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनायेगा एवं साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।''

गृह मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दे दी है जिसके तहत निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की बिना किसी गारंटी के ऋण सहायता सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा, ''यह ऐतिहासिक कदम नकदी प्रवाह को बढ़ावा देगा, एमएसएमई को सशक्त बनाएगा और एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर भारत की प्रगति को गति देगा जो 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक निर्णायक कदम है।''

'निर्यात संवर्धन मिशन' का उद्देश्य भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना है खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए...। वहीं निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई) निर्यातकों के लिए गारंटी-मुक्त ऋण सहायता सुनिश्चित करेगी जिससे वैश्विक बाजार में व्यवधानों से निपटने में मदद मिलेगी।

आरओ/एआरओ मेंस परीक्षा की तारीख घोषित

✷ वेबवार्ता. इलाहाबाद ✷

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) 2023 मुख्य परीक्षा की तारीखो की घोषणा कर दी है।

तय कार्यक्रम के अनुसार 31 जनवरी और एक फरवरी 2026 को मेंस की परीक्षा आयोजित होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक सामान्य अध्ययन प्रारंभिक परीक्षा जैसा प्रश्न पत्र होगा।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और यूएवी कार्यक्रमों को लेकर भारतीय कंपनी पर प्रतिबंध लगाए

✷ वेबवार्ता. वाशिंगटन ✷

अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) कार्यक्रमों के लिए सामग्री की आपूर्ति करने के मामले में भारत, चीन, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, और अन्य क्षेत्रों में 32 संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।

अमेरिकी वित्त विभाग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इन प्रतिबंधित कंपनियों में एक भारतीय कंपनी फार्मलेन प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है।

उस पर मिसाइल उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण रासायनिक पूर्व-उत्पाद उपलब्ध कराने का आरोप है।

एटीसी गिल्ड ने दिल्ली हवाई अड्डे पर हालिया तकनीकी खराबी की जांच की मांग की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

'एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स (एटीसी) गिल्ड' ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से दिल्ली हवाई अड्डे पर हाल ही में 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में खराबी की जांच कराने तथा अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर प्रणालियों के उन्नयन की समीक्षा करने का अनुरोध किया है।

यह मांग उस तकनीकी खराबी के बाद की गयी है, जिसके कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को 800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई तथा 46 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

एएमएसएस हवाई यातायात नियंत्रण की उड़ान योजना प्रक्रिया में मदद करता है। एटीसी गिल्ड ने बुधवार को लिखे तीन पन्नों के पत्र में कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के संचार, नेविगेशन और निगरानी (सीएनएस) विभाग की "दक्षता, जवाबदेही और संरचनात्मक तर्क" का तत्काल मूल्यांकन किया जाना चाहिए। सरकार के स्वामित्व वाला एएआई हवाई यातायात नियंत्रण और सीएनएस सेवाएं प्रदान करता है।

गिल्ड ने मंत्रालय से एएमएसएस की विफलता की जांच कराने का अनुरोध किया और कहा है कि ''जिम्मेदार अधिकारियों को भविष्य में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियों से बचने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए, जो आम यात्रियों को प्रभावित करती हैं।''

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने आठ नवंबर को अधिकारियों को तकनीकी खराबी के मूल कारणों का विस्तृत विश्लेषण करने और संचालन को बेहतर बनाने के लिए 'बैकअप सर्वर' लगाने का निर्देश दिया था।

दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे व्यश्त हवाई अड्डा है, जहां हवाई यातायात नियंत्रक रोज़ाना 2,500 से अधिक विमान परिचालनों को संभालते हैं।

दर्दनाक हादसा : गन्ने से भरे ट्रक पर चढ़े कंडक्टर की 25 हजार वोल्ट की लाइन से झुलसकर मौत

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷ । क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने सभी को दहला दिया। गन्ने से भरे ट्रक पर चढ़े एक युवक की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। 13 नवंबर 2025 को लगभग दोपहर 2 बजे, स्योहारा नूरपुर फाटक रोड पर रेलवे लाइन के समीप खड़ा ट्रक संख्या UP23 AT 0469 पर कंडक्टर फैजान पुत्र पीरू, निवासी मधुपुरा थाना स्योहारा, उम्र लगभग 25 वर्ष, गन्ना ठीक करने के लिए ट्रक के ऊपर चढ़ा हुआ था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 25,000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से फैजान की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। ट्रक चालक वसीम पुत्र मोहम्मद उमर, निवासी फजलुल्लापुर थाना स्योहारा, ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रक को मील परिसर में खड़ा कराया और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।, जिन्होंने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रेमी-प्रेमिका के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा! प्रेमिका ने साथ रहने से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/धामपुर ✷ । धामपुर नगर के रोडवेज बस स्टैंड पर देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब प्रेमी-प्रेमिका के बीच जमकर कहासुनी और मारपीट हो गई। मामला लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़े का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, तहसील क्षेत्र के गांव बुढ़नपुर निवासी एक युवती पिछले चार साल से गजरौला निवासी युवक कपिल गोस्वामी के साथ लिव-इन में रह रही थी। दोनों के बीच बीते कुछ समय से विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि युवती अपने घर लौट आई थी और चार दिन से उसने कपिल का फोन उठाना बंद कर दिया था। फोन पर बात न होने से परेशान कपिल बुधवार को गजरौला से धामपुर पहुंच गया। देर रात रोडवेज बस स्टैंड पर दोनों की मुलाकात हुई,। जहां देखते ही देखते कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान युवती की मां भी मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद मामला और भड़क गया। तीनों के बीच झगड़ा बढ़ता गया और बात हाथापाई व गाली-गलौज तक पहुंच गई। रोडवेज परिसर में इस हंगामे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर कोतवाल मृदुल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है, मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

चांगीपुर शुगर मिल में यातायात व साइबर क्राइम जागरूकता अभियान

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷ । यातायात जागरूकता माह नवम्बर-2025 तथा साइबर क्राइम

जागरूकता अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी चांदपुर द्वारा आज नूरपुर स्थित चांगीपुर शुगर मिल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मिल के श्रमिक, ट्रक ड्राइवर एवं कर्मचारी मौजूद रहे। क्षेत्राधिकारी ने सभी उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की विश्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण लापरवाही और नियमों का पालन न करना है। इसलिए हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन न इश्तेमाल करने, निर्धारित गति सीमा में चलने तथा ओवरलोडिंग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि सतर्कता और अनुशासन अपनाकर सड़क हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बढ़ते साइबर अपराधों पर भी विश्तार से चर्चा की गई। क्षेत्राधिकारी ने लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी साझा करने तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले जोखिमों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने सभी से सतर्क रहने, अज्ञात लिंक या कॉल पर भरोसा न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।

'मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनूंगा फिर फैसला लूंगा'

पुणे ज़मीन सौदे के बाद इस्तीफे की मांग पर अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को पुणे में कथित 300 करोड़ रुपये के ज़मीन सौदे को लेकर कार्यकर्ता अंजलि दमानिया द्वारा अपने इस्तीफ़े की माँग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह कोई भी फ़ैसला लेने से पहले 'अपने विवेक का इस्तेमाल करेंगे '। उनके बेटे पार्थ पवार से जुड़ी एक कंपनी पुणे के मुंधवा इलाके में सरकारी ज़मीन की ख़रीद से जुड़े विवाद के केंद्र में है। राज्य सरकार ने इस सौदे को रद्द कर दिया है और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विकास खड़गे के नेतृत्व में जाँच के आदेश दिए हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि वह अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर फ़ैसला लेंगे। अजित पवार के बेटे पार्थ से जुड़ी एक निजी कंपनी पुणे के मुंधवा इलाके में एक सरकारी भूखंड से जुड़े 300 करोड़ रुपये के सौदे के केंद्र में है, जिसे अब रद्द कर दिया गया है।

अनियमितताओं के आरोपों और विपक्ष की आलोचना के बाद, राज्य सरकार ने पिछले हफ्ते इस सौदे को रद्द कर दिया और राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में

जांच के आदेश दिए। सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कथित जमीन घोटाले को लेकर अजित पवार के इस्तीफ़े की मांग की है। दमानिया द्वारा इस्तीफा मांगे जाने के बारे में पूछे जाने पर, उप-मुख्यमंत्री ने पुणे में पत्रकारों से कहा, ''मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर फ़ैसला लूंगा।''

अजित पवार ने अपने बेटे का बचाव करते हुए दावा किया कि पार्थ को इस बात की जानकारी नहीं थी कि कंपनी द्वारा खरीदी गई जमीन सरकार की है। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए कार विस्फोट के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में अजित पवार ने कहा कि मंगलवार को मुंबई में सुरक्षा समीक्षा बैठक हुई और महाराष्ट्र को हाई अलर्ट पर रखा गया।

ज़मीन सौदे का विवाद

यह विवाद लगभग 40 एकड़ सरकारी ज़मीन से जुड़ा है, जिसकी कीमत कथित तौर पर 1,800 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसे अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी को 300 करोड़ रुपये में बेचा गया था। अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी एक ऐसी कंपनी है जिसमें पार्थ पवार की 99प्रतिशत हिस्सेदारी है। अनियमितताओं के आरोपों के बाद, सरकार ने बिक्री विलेख रद्द कर दिया और कई अधिकारियों को निलंबित कर दिया। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पुष्टि की कि लेन-देन में शामिल तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन पार्थ पवार का नाम बिक्री विलेख में नहीं होने के कारण इसमें शामिल नहीं किया गया है। हालाँकि, रद्दीकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए कंपनी को 42 करोड़ रुपये की दोगुनी स्टांप ड्यूटी का भुगतान करने का नोटिस जारी किया गया है। बावनकुले ने आगे बताया कि कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने बुधवार को उनसे मुलाकात की और मामले से संबंधित दस्तावेज़ सौंपे। उन्होंने आश्वासन दिया कि जाँच में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा।

बिहार चुनाव के बाद अब बीएमसी पर नजर, भाजपा ने मुंबई यूनिट में नियुक्त किए 4 नए महासचिव

मुंबई, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव संपन्न होते ही केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने अब अपना फोकस अगले साल होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव पर केंद्रित कर दिया है। इसी सिलसिले में पार्टी ने वहां बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है। राज्य की सत्ता में भी काबिज भाजपा ने मुंबई इकाई में चार नए महासचिव नियुक्त किए हैं। दिन लोगों को महासचिव बनाया गया है, उनमें राजेश शिरवाडकर, गणेश खापरकर, आचार्य पवन त्रिपाठी और श्वेता पारुलेकर शामिल हैं। ये नियुक्तियां भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमीत साटम ने की हैं। जनवरी 2026 में बीएमसी चुनाव बता दें कि जनवरी 2026 में बीएमसी चुनाव होने वाले हैं। सभी दलों ने इसकी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी हैं। राज्य का सत्ताधारी गठबंधन महायुति मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रही है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी में इस मुद्दे पर एकता नहीं दिख रही है। अभी दो दिन पहले हीं महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। उन्होंने कहा, 'हमारे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नेताओं ने फ़ैसला किया है कि हम स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे।

दिल्ली कार ब्लास्ट का किया समर्थन, असम में 15 लोग गिरफ्तार, सीएम शर्मा ने बताए नाम

गुवाहाटी, एजेंसी। दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट की सराहना करने वालों पर असम पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम शर्मा के अनुसार 6 गिरफ्तारियां कल की गई थीं, जबकि रात भर में 9 और लोगों को हिरासत में लिया गया। असम पुलिस ने हिंसा को बढ़ावा देने वालों के प्रति कोई समझौता नहीं करने का संकल्प जताया है।

ट्वीट में गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम और उनके जिलों का उल्लेख किया है। रात भर में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है- रफीजुल अली (बोंगाईगांव) 2 फरीदउद्दीन लस्कर (हैलाकांडी) 3. इनामुल इस्लाम (लखीमपुर) 4. फिरुज अहमद ञ्च पपोन (लखीमपुर) 5. शाहिल शोमान सिकदार ञ्च शाहिदुल इस्लाम (बारपेटा) 6. रकीबुल सुल्तान (बारपेटा) 7. नसीम अकरम (होजाई) 8. तस्लीम अहमद (कामरूप) 9. अब्दुर रोहिम मोल्लाह बप्पी हुसैन (साउथ सलमारा) असम सीएम ने ट्वीट में कहा कि दिल्ली विस्फोटों के बाद आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट करने के संबंध में असम भर में अब तक 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कल की 6 गिरफ्तारियों के अलावा, रात भर में उपरोक्त व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस हिंसा की सराहना करने वालों के खिलाफ बिल्कुल समझौता नहीं करेगी। यह कार्रवाई दिल्ली में हुए विस्फोट की पृष्ठभूमि में की गई है। असम पुलिस ने

राज्य के विभिन्न जिलों में छापेमारी कर इन व्यक्तियों को पकड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर नफरत और हिंसा फैलाने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना की निंदा करने के बजाय असम में कुछ लोगों ने ऑनलाइन समर्थन वाले इमोजी और टिप्पणियां पोस्ट करके स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना असम के लिए बेहद चिंताजनक है। अगर यहां भी ऐसी कोई घटना होती है, तो इसका पैमाना कहीं ज्यादा बड़ा होगा क्योंकि इन लोगों की मौजूदगी यहां कहीं ज्यादा है। इन्हीं लोगों ने लाल किले पर हमला किया, पहलगाम में लोगों की हत्या की और जुबीन क्षेत्र में मुफ्त चावल और दाल सब्सिडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। ये लोग हमारे समुदाय को हर संभव तरीके से, बम, गोली या विरोध प्रदर्शनों के जरिए, बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस हिरासत में 19 वर्षीय लड़के की मौत, 50 लाख की चोरी का था आरोप

बलरामपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक आभूषण की दुकान में चोरी के मामले में आरोपी 19 वर्षीय युवक की पुलिस हिरासत में मौत के बाद मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में चार पुलिसकर्मियों को हटाकर बलरामपुर स्थित पुलिस लाईन में तैनात कर दिया गया है। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उसे बेरहमी से प्रताड़ित किया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी सरगुजा जिले के सीतापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नकना गांव निवासी उमेश सिंह को यहां 30-31 अक्टूबर की रात में बलरामपुर के चांदो रोड स्थित एक आभूषण की दुकान में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर चोरी के आभूषण खरीदे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने लगभग 50 लाख रुपये के आभूषण बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद उमेश सिंह को रविवार (नौ नवंबर) सुबह सरगुजा से पूछताछ के लिए बलरामपुर थाने लाया जा रहा था, तभी उनकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

चंडीगढ़ पुलिस पर नहीं कोई संदेह, सीबीआई को नहीं सौंपे सकते आईपीएस पूरन सुसाइड केस, हाई कोर्ट की दो टूक

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले की जांच सीबीआई को नहीं सौंपी जाएगी। आज पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने इससे साफ मना करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस की जांच पर संदेह करने का कोई ठोस आधार नहीं है। चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी की खंडपीठ ने सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी की जांच संतोषजनक है और अब तक की कार्रवाई से यह नहीं लगता कि किसी भी तरह की लापरवाही या पक्षपात किया गया है। अदालत ने कहा कि तथ्यों से यह नहीं लगता कि जांच में कोई ढिलाई या देरी हो रही है। इसलिए जांच दूसरी एजेंसी को देने की कोई जरूरत नहीं है। दो दिन पहले सोमवार को पूरन कुमार सुसाइड केस में पंजाब एंड हरियाणा हाई

कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन से जांच रिपोर्ट तलब की थी। बेंच ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए चंडीगढ़ प्रशासन के एडवोकेट से पूछा था कि केस की ताजा स्थिति क्या है? जांच कहां तक पहुंची? कोर्ट ने स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिये थे। गौरतलब है कि हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट अमित झांजी ने अदालत को बताया कि एफआईआर में 14 लोगों को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद कई सामान जब्त कर एफएसएल भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट का इंतजार है। अदालत को बताया गया कि 10 अक्टूबर 2025 को एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित की गई, जिसकी अगुआई चंडीगढ़ के आईजी कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि इन तथ्यों से यह नहीं लगता कि जांच में कोई ढिलाई या देरी हो रही है। ऐसे में जांच दूसरी एजेंसी को देने की कोई जरूरत नहीं है। सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका हरियाणा के एक एनजीओ के अध्यक्ष नवीन कुमार ने दायर की थी। उन्होंने कहा था कि अधिकारी की आत्महत्या के मामले की जांच चंडीगढ़ पुलिस की जगह किसी स्वतंत्र एजेंसी से करवाई जाए, क्योंकि मौजूदा जांच निष्पक्ष नहीं है। याचिका में कहा गया कि इतने वरिष्ठ अधिकारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है और इससे सिविल सर्विसेज के भीतर जवाबदेही तंत्र पर जनता का भरोसा कमजोर हुआ है। जांच में कई सुसाइड नोट बरामद हुए, जिनमें से एक करीब एक माह पहले लिखा गया बताया गया, जिसमें 8 आईपीएस और 2 आईएएस अधिकारियों के नाम दर्ज हैं।

भाजपा को मिल गया एकनाथ शिंदे का तोड़? कौन हैं गणेश नायक, जिनकी एंट्री ने बढ़ाई चर्चाएं

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में सबकुछ ठीक नहीं है। इसके संकेत हाल ही में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में की चुनाव प्रभारी की नियुक्ति से मिलते हैं। दरअशल, भाजपा ने राज्य सरकार में वन मंत्री गणेश नाइक को 7 जिलों का प्रभारी बनाया है, जिनमें ठाणे भी शामिल है। खास बात है कि नाइक को उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे का प्रतिद्वंद्वी भी माना जाता है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, नाइक को बड़े नेताओं को चुनौती देने और मुश्किल राजनीतिक हालात में खड़े रहने वाला माना जाता है। खास बात है कि वह अविभाजित शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे से अलग हो गए थे और इसके बाद भी ठाणे में

अपनी पार्टी के लिए खड़े रहे। इस सीट पर शिंदे के गुरु माने जाने वाले आनंद दीघे का दबदबा था।

कहा जाता है कि उनका मजबूत जनाधार युवाओं और मजदूरों के बीच है। उनके समर्थन से ही नाइक वाशी, नेरुल, एरोली, तुर्भे, घंसोली और टीटीसी बेल्ट यानी ट्रांस ठाणे क्रीक में शिवसेना के चेहरे बन गए थे। 1980 के दशक में वह नवी मुंबई में बड़े नेता के तौर पर स्थापित हो चुके थे। रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे शिवसेना का विस्तार हो रहा था, तो नाइक का क्षेत्र दीघे से ज्यादा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ठाकरे को हस्तक्षेप करना पड़ा और नवी मुंबई को नाइक का क्षेत्र घोषित किया गया।

सरकार और बाल ठाकरे दोनों से असहमति जताई 1990 के विधानसभा चुनाव में नाइक ने बेलापुर से पहली बार बड़ी चुनावी जीत हासिल की थी। इसके 5 साल बाद वह मनोहर जोशी की अगुवाई वाली सरकार में मंत्री भी बने। हालांकि, यहां भी जोशी और ठाकरे से उनका टकराव जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार, नाइक ने इस्तीफा देने से मना कर दिया था और बाद में जोशी ने उन्हें सरकार से बाहर कर दिया।

8.52 लाख लोगों को मिला आयुष्मान लाभ

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर में आयुष्मान भारत योजना को नई गति मिली है। जिलाधिकारी अविनाश कुमार द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर अब आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों का नि :शुल्क इलाज शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त, जिला अस्पताल, महिला चिकित्सालय और अन्य सरकारी अस्पतालों में भी गोल्डन कार्ड से इलाज की सुविधा उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पात्र मरीज योजना के लाभ से वंचित न रहे। गाजीपुर जिले में अब तक 2,23,148 परिवारों के कुल 8,52,919 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ जनपद ने प्रदेश की स्टेट रैंकिंग में 14वां स्थान प्राप्त किया है। अब तक 79,658 मरीजों ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मुफ्त उपचार का लाभ उठाया है। इनमें हृदय रोग, कैंसर, हड्डी रोग, नेत्र रोग और प्रसव संबंधी मामले प्रमुख हैं। वर्तमान में जिले के 19 सरकारी और 16 निजी अस्पताल, कुल 35 चिकित्सालय, इस योजना से संबद्ध हैं। वय वंदना योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के 36,315 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इस पहल के कारण गाजीपुर ने प्रदेश में 11वां स्थान हासिल किया है, जिससे बुजुर्गों को बड़ी राहत मिली है। विभाग का लक्ष्य है कि जिले का हर पात्र व्यक्ति इस योजना से जुड़ सके और किसी को भी आर्थिक तंगी के कारण उपचार से वंचित न रहना पड़े।

फरीदाबाद में पुराने-बाहरी वाहनों की जांच तेज

बाहरी लोगों पर भी निगरानी बढ़ाएगी पुलिस

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के बाहर कार में हुए धमाके के बाद फरीदाबाद से आतंकी साजिश के तार जुड़ने का खुलासा होने के बाद फरीदाबाद पुलिस ने बाहरी वाहनों की जांच तेज कर दी है। इसके साथ ही पुलिस अब बाहरी लोगों पर भी अपनी निगरानी बढ़ाएगी। धौज थाना पुलिस ने बुधवार को सोहना-बल्लभगढ़ रोड पर वाहनों की सघन जांच का अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने पुराने और फरीदाबाद की ओर जा रहे बाहरी नंबर की गाड़ियों पर खास फोकस किया गया। बुधवार सुबह धौज थाना पुलिस ने यहां पर नाकेबंदी कर दी थी। नाकेबंदी के दौरान पांच-छह पुलिसकर्मी तैनात थे। यहां पर धौज गांव और सोहना की ओर से फरीदाबाद और बल्लभगढ़ की ओर जा रहे वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिसकर्मी गाड़ियों की डिग्गी भी खुलवा रहे थे। इस दौरान बाहरी शहरों के रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। पुलिसकर्मी रजिस्टर में वाहन चालकों के नाम भी दर्ज कर रहे थे।

सुबह से शुरू हुआ यह अभियान देर शाम तक चलता रहा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि धौज इलाके में भारी मात्रा में संदिग्ध विस्फोटक मिलने की घटना से पुलिस किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहती है। इस वजह से पुलिस लगातार जांच अभियान चलाए हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि जिस तरह यहां पर विस्फोटक सामग्री मिलने के बाद दिल्ली में धमाका हुआ है। उसके बाद से पुलिस कोई लापरवाही नहीं बरतना चाहती है। इस वजह से पुलिस जांच अभियान को लगातार चला रही है। पुलिस ने सुबह से लेकर शाम तक करीब दो हजार वाहनों की जांच की है। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलीहै। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब लगातार यहां जांच अभियान चलाती रहेगी, सुरक्षा में कोई सेंध न लग पाए। धौज के अलावा बदरपुर बॉर्डर सहित शहर के अन्य इलाकों के मुख्य पुलिस नाकों पर इस तरह की जांच चलती रही। प्रत्येक नाके पर बाहर से आने वाले वाहनों पर खास फोकस किया जा रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूरे जिले में करीब 10 हजार को रोककर जांच की गई। पुलिस का यह अभियान लगातार चलता रहेगा। फतेहपुर तगा में भी निगरानी रही : धौज के अलावा पुलिस ने फतेहपुर तगा में भी निगरानी बढ़ाई हुई है। बुधवार को अपराध जांच शाखा की कई टीमें फतेहपुर तगा में लगातार जांच के सिलसिले में टोह लेती रही। वहीं, फतेहपुर तगा में स्थानीय पुलिस की टीम भी तैनात रही। धौज इलाके में विस्फोटक सामग्री मिलने के बाद पुलिस प्रत्येक थाना क्षेत्र में संदिग्ध इलाकों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुबह-सुबह पुलिस किसी एक खास इलाके में पहुंचकर तलाशी अभियान चला रही है।

बाइक से टक्कर मारी, विरोध करने पर महिला को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक सवार ने पहले महिला को टक्कर मारी और विरोध करने पर अभद्रता करते हुए मारपीट की। पीड़िता ने थाने में मुकदम दर्ज करवाया है। गरिमा गार्डन में रहने वाली कोमल के अनुसार वह पार्लर संचालित करती हैं। वह 11 नवंबर को दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे घर से पार्लर जाने के लिए निकली थी। घर से कुछ दूरी पर ई-रिक्शा में सवार हो रही थीं। इस दौरान एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। जब उन्होंने बाइक चालक से विरोध जताया और बाइक सही से चलने के लिए कहा तो बाइक सवार ने अभद्रता करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। जिसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कोमल की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह का कहना है कि घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज निकलवाई जा रही हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर में घुसकर दंपति से मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के गरिमा गार्डन में कुछ दबंगों ने एक घर में घुसकर दंपति से मारपीट की। साथ ही घर में तोड़फोड़ भी कर दी। घटना 10 नवंबर की है। मामले में पीड़ित ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। गरिमा गार्डन में रहने वाले विवेक श्रीवाश्तव के अनुसार 10 नवंबर को क्षेत्र के ही रहने वाले सानू, शहनवाज और एक अज्ञात महिला दोपहर में अचानक उनके घर में जबरन घुस आए। घर में वह और उनकी पत्नी थे। तीनों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तब तीनों ने मारपीट करते हुए घर में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहीं घर में तोड़फोड़ की वजह से उन्हें आर्थिक नुकसान भी हुआ। सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अभी तक दोनों पक्षों के आपसी विवाद की बात सामने आई है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घर में घुसकर तीन लोगों ने मारपीट की। सामान की तोड़फोड़ भी कर दी। झगड़ा 10 नवंबर को हुआ।

अवैध बसों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। उजागर फाउंडेशन ने यातायात माह के दौरान अवैध रूप से संचालित डग्गामार बसों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और इस संबंध में आरटीओ (प्रवर्तन) को पत्र दिया है। फाउंडेशन ने चेतावनी दी है कि संतुष्टिजनक कार्रवाई न होने पर उच्च न्यायालय को साक्ष्यों सहित अवगत कराया जाएगा। उजागर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी जैन और महासचिव सचिन सोनी ने संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सियाराम वर्मा से मुलाकात कर यह पत्र सौंपा। शिवानी जैन ने बताया कि फाउंडेशन ने अवैध बसों के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका पर शासन श्तर से आदेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जमीनी श्तर पर हालात नहीं सुधरे हैं। राज्य परिवहन की बसों जैसे रंग में इन पर ''उत्तर प्रदेश'' लिखा हुआ है। महासचिव सचिन सोनी ने मांग की कि आरटीओ अवैध वाहनों के साथ-साथ उन अधिकारियों की भी जांच करे, जो फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करते हैं। साथ ही, फिटनेस के बाद वाहन के मूल स्वरूप में बदलाव करने वाले मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर आरटीओ (प्रवर्तन) सियाराम वर्मा ने अवैध वाहनों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

12वीं के छात्रों को सहपाठियों पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में 12वीं के दो छात्रो को उनके ही सहपाठी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट कर घायल कर दिया। एक छात्र को सिर में गंभीर चोट आई है जबकि दूसरा भी घायल है। एक छात्र के पिता ने थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। राजेंद्र नगर में रहने वाले राजेश ओबराय के अनुसार उनका बेटा राघव 11 नवंबर को स्कूल के बाद अपने सहपाठी गर्व के साथ अतिरिक्त क्लास लेकर घर वापस लौट रहा था। राश्ते में राजेंद्र नगर सेक्टर दो स्थित एक खाने के स्टॉल के पास उसके ही स्कूल में साथ पढ़ने वाले 12वीं के एक छात्र ने अपने दो साथियों के साथ उन्हें रोका। इसके बाद कहासुनी के बाद तीनों ने उनके बेटे और उसके दोश्त को पीटना शुरू कर दिया। हमलवारों ने उनके सिर में लोहे की वश्तु से प्रहार किया। जिससे गंभीर चोट लगने की वजह से उनका बेटा राघव गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि उसका सहपाठी गर्व भी गंभीर रूप से चोटिल हुआ। राघव को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और गर्व को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। राजेश ओबराय ने मामले की पुलिस से शिकायत की।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण, बना स्वास्थ्य संकट, एक्यूआई 400 के पार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण का श्तर लगातार खतरनाक श्तर पर पहुंचता जा रहा है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार दर्ज किया गया है, जो "गंभीर श्रेणी" में आता है।

पर्यावरण मॉनिटरिंग केंद्रों से मिली ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के बवाना में एक्यूआई 460, चांदनी चौक में 455, और आनंद विहार में 431 दर्ज किया गया है। वहीं नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 419 और गाजियाबाद के वसुंधरा क्षेत्र में 413 तक पहुंच गया है।

वायु प्रदूषण की यह भयावह स्थिति दिल्ली-एनसीआर के निवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुकी है। डॉक्टरों ने नागरिकों को सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बिना मास्क के बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। इस प्रदूषण के चलते लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ भी हो रही है। एनसीआर के कई सरकारी और निजी अस्पतालों में सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, आंखों में जलन और सीने में दर्द जैसी शिकायतों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

आरएमएल, सफदरजंग और एलएनजेपी जैसे बड़े अस्पतालों में पिछले एक सप्ताह में इस तरह के मामलों में 40 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। अस्पताल प्रबंधन ने ऑक्सीजन सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित की है और इमरजेंसी वार्ड में अतिरिक्त बिश्तर तैयार कर दिए गए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषण का यह श्तर मुख्य रूप से पराली जलाने, वाहनों से निकलने वाले धुएं, निर्माण कार्यों और मौसम के ठहराव के कारण बढ़ रहा है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत पहले से ही स्टेज-III लागू है, जिसके बावजूद हवा में सुधार नहीं देखा जा रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का सुझाव है कि अब दिल्ली-एनसीआर में निजी वाहन उपयोग को सीमित करना, निर्माण गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन पर निगरानी बढ़ाना बेहद आवश्यक है। लोगों से अपील की गई है कि वे यथासंभव घर के अंदर रहें और अगर बाहर निकलना जरूरी हो तो मास्क अवश्य पहनें। बढ़ते प्रदूषण के बीच एनसीआर में जीवन फिलहाल गैस चैंबर जैसा बनता जा रहा है।

पहली शादी छुपाकर दूसरी शादी पत्नी को छोड़ अब हुआ लापता

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पहली शादी की बात छुपाकर दूसरी शादी की और अब दूसरी पत्नी को छोड़कर लापता हो गया। पत्नी ने थाने में अपनी सास और ननद के खिलाफ पति को गायब करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन में रहने वाली वंदना के अनुसार उनकी शादी 23 नवंबर 2023 को निखिल के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि निखिल की पहले भी शादी हो चुकी है।

जब उन्होंने इसका विरोध किया तो सास करूणा और ननद अंशु ने उनके साथ अभद्रता और मारपीट की। जब उन्होंने पति निखिल से इसकी शिकायत की तो उन्होंने भी मारपीट करते हुए अपनी मां और बहन का साथ दिया। इसके बाद वह पति के साथ अपने मायके में रहने लगीं।

वंदना के अनुसार लगभग 15 दिन पहले उनकी सास ने पति को बहाने से अपने पास बुला लिया, जिसके बाद से उनके पति लापता है।

आरोप है कि जब उन्होंने पति की जानकारी के लिए सास को फोन किया तब उन्हें व उनके 10 महीने के बेटे को जान से मारने की धमकी दी गई।

इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन एक निवासी वंदना ने अपनी सास करुणा और ननद अंशु के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शादी के बाद दोनों ने उनसे मारपीट की। इसके बाद पति के साथ अलग रहने पर बहाने से पति को अपने पास बुलाया और अब 15 दिन से पति लापता हैं। उनके बारे में पूछने पर आरोपी सास व ननद उन्हें धमकी दे रही हैं। पुलिस ने 11 नवंबर को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

टेरर फंडिंग: रिश्तेदार को रखा कंपनी की देखभाल के लिए

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

टेरर फंडिंग के मामले में गिरफ्तार फरहान नबी सिद्दीकी ने कंपनी की देखभाल करने के लिए अपने दो रिश्तेदारों को रखा था। दोनों केयरटेकर अब भी यहां रह रहे हैं। एटीएस की टीम ने उनसे भी पूछताछ की। पुलिस भी उन पर नजर बनाए है।

यूपी एटीएस की टीम ने कासना स्थित एक कंपनी से शनिवार को टेरर फंडिंग के मामले में दिल्ली निवासी फरहान नबी सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। कंपनी में धार्मिक समुदाय के बीच वैमनस्यता फैलाने वाली किताबों का प्रकाशन किया जाता था।

इन किताबों को आयुर्वेदिक दवाइयों की आड़ में बाहर भेजा जा रहा था। ऑनलाइन भी किताबों की सप्लाई की जा रही थी। इसके अलावा ऑर्डर पर किताब छापी जाती थीं। कंपनी का संचालन करने वाले फरहान नबी सिद्दीकी ने अपने दो रिश्तेदारों को देखभाल के लिए रखा था।

बताया जा रहा है कि कंपनी में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के बारे में किसी को पता नहीं चले, इसके लिए दोनों रिश्तेदारों को देखभाल की जिम्मेदारी दी गई थी। कंपनी में आज भी दोनों केयरटेकर रह रहे हैं। दोनों केयरटेकर ने बताया कि कंपनी की गतिविधि के बारे में उन्हें कुछ नहीं पता।

यूपी एटीएस की टीम ने उनसे पूछताछ की है। उनसे पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कंपनी में किन-किन लोगों का आना-जाना था। किताबों की सप्लाई कहां की जा रही थी। फरहान किससे मिलता था। वह कब और कहां जाता था। एटीएस की टीम ने इनसे काफी सवालों के जवाब पूछे। दोनों केयरटेकर से अलग-अलग पूछताछ की। एटीएस ने कंपनी को सील नहीं किया है। कंपनी में आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। एटीएस इस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच में जुटी है।

कर्मचारियों पर गबन का केस दर्ज कराया

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

कंपनी मालिक ने अपने दो कलेक्शन एजेंट और एक सेल्समैन पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर कंपनी के करीब 21 लाख रुपये गबन कर लिए।

पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सूरजपुर कोतवाली पुलिस के मुताबिक जय नारायण शर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ मिलकर कंपनी चलाते हैं। दंपति की कंपनी दूसरी कंपनी से सामान खरीद कर बाजार में बेचती है। दंपति ने दो कलेक्शन एजेंट अमित, श्याम और सेल्समैन राहुल कौशिक को नौकरी पर रखा है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर कंपनी का सामान बेचा और उसके रुपये कंपनी के खाते में जमा नहीं कर आपस में बांट लिए। कंपनी मालिक ने बाजार में जाकर दुकानदारों से पता किया तो करीब 21 लाख रुपये के गबन के बारे में जानकारी मिली। दंपति को शक है कि आरोपियों ने और भी रकम हड़पी है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दंपति की शिकायत पर आरोपी सेल्समैन राहुल कौशिक और कलेक्शन एजेंट अमित और श्याम के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

संयुक्त अस्पताल के जन औषधि केंद्र से निजी कंपनियों की 40 दवाएं बरामद

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

संयुक्त अस्पताल में संचालित जन औषधि केंद्र से निजी कंपनियों की करीब 40 दवाएं बरामद की गई है। अस्पताल की तीन सदस्यीय टीम ने दवाओं को सील कर दिया है।

इस मामले में अस्पताल प्रशासन ने केंद्र संचालक को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही सीएमओ को भी पत्र लिखकर कार्रवाई का अनुरोध किया है। शासन ने गाजियाबाद में केंद्र संचालन के लिए झांसी की कंपनी सुमन मेडी स्टोर को अधिकृत किया है।

लेकिन निजी दवाओं की बिक्री से मरीजों के साथ धोखा और सरकारी नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। इसके तहत सभी अस्पतालों और सीएचसी पर इसी फर्म ने जन औषधि केंद्र खोले हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने अपने परिसर में फर्म को जगह उपलब्ध करा रखी है। केंद्र पर केवल सश्ती दर पर मिलने वाली जन औषधि ब्रांड की दवाएं ही बेची जा सकती है। लेकिन संयुक्त अस्पताल के प्रबंधन को एक मरीज ने मंगलवार को शिकायत की कि

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर निजी कंपनियों की दवाएं बेची जा रही है।

इसका मरीज ने वीडियो भी दिखाया। मरीज की शिकायत को आधार बनाकर प्रबंधन ने डा. एसपी सिंह, डा. योगेंद्र कुमार और चीफ फार्मासिस्ट अश्वनी कुमार की कमेठी गठित की और कमेटी ने केंद्र पर छापा मारा। जन औषधि केंद्र की तलाशी में टीम को केंद्र के अंदर से 16 इंजेक्शन समेत 40 दवाएं निजी कंपनियों की मिली है।

इन पर जन औषधि संबंधी कोई मॉर्क नहीं था। इन दवाएं में सिरप, इंजेक्शन, टेबलेट और बच्चों के एंटीबॉयोटिक सिरप बरामद किए गए हैं। टीम ने सूची तैयार करके दवाओं को सील कर दिया है।

ये बाहरी दवाएं मिली

एप्यूटेरीन सिरप, टोकोपेन सिरप, ब्लड फ्यूरोफाई सिरप, रेस्पिरब, गैसहर सिरप, सेरोफ्लो बी6, ईवीई2 टोन, एस्ट्रोसी टॉनिक, एपलीव, एर्जिनीस्ट, स्टोन हिट, ओआरएस, बायोटीव डीएस, फीमेक्स एक्सटी सिरप, किटोन सेल सॉल्यूशन, सिपरिट, सिनमॉन, कैल्जिम डी3, जेनडस बाम, कैल्जिम सेसे, हनीटस, फीमेस सिरप, सोरबी लेक्टीन सॉल्यूशन, एलरवीट-12 टैबलेट - इंजेक्शन जाइरॉप 100000 एमजी, एमवीआई, जाईरोप 4000, टेटनेस, पॉलीबॉस, कोक्सवील, ब्रोडरोल, डयूरोडोम, एस मल्टीबोनट, रेलीपोईटीन, फेरोलीन, केलसीडोक-डी3, एस्टीनोम-3, फेरोली, रेलोसेल 10000, एडकोब प्लस।

निठारी हत्याकांड: बरी होने के बाद सुरेंद्र कोली जेल से रिहा

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

निठारी हत्याकांड के आरोपी सुरेंद्र कोली को ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जिला जेल से रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 2006 में सिलसिलेवार तरीके से हुई हत्याओं से जुड़े आखिरी लंबित मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा बरी किए जाने के एक दिन बाद कोली को रिहा कर दिया गया।

जेल अधीक्षक बृजेश कुमार ने बुधवार शाम करीब 7.20 बजे कोली के जेल से रिहा होने की पुष्टि की। कुमार ने बताया, "उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सुरेंद्र कोली को रिहा कर दिया गया।"

नीली कमीज, काली पैंट और गहरे नीले रंग की जैकेट पहने कोली अपने वकीलों के साथ जेल से बाहर निकला। कोली के परिवार के सदस्य जेल के गेट पर मौजूद नहीं थे और उसने बाहर जमा मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया। रिहाई के बाद उसे कहां ले जाया गया, यह तुरंत पता नहीं चल पाया।

निठारी कांड 2006 में उस समय सामने आया, जब नोएडा के सेक्टर 31 में रहने वाले व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंधेर के बंगले (डी-5) के पास के पीछे के हिस्से और नालियों से कंकाल, खोपड़ियां और हड्डियां मिलीं थी। इस मामले में सह-आरोपी पंधेर भी कई वर्ष तक जेल में रहा लेकिन मामले में बरी होने के बाद 20 अक्टूबर, 2023 को उसे रिहा कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने मंगलवार को 15 वर्षीय लड़की के साथ कथित दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या से संबंधित अंतिम लंबित मामले में कोली को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वाभास के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता और अगर वह किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है, तो उसे तत्काल रिहा किया जाना चाहिए।

पीठ ने अपराधों की 'जघन्य' प्रकृति और पीड़ित परिवारों की 'अथाह पीड़ा' को स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध सिद्ध करने में विफल रहा। वर्ष 2006 में गिरफ्तारी के समय कोली की उम्र 2006 में 30 वर्ष थी और पिछले कुछ वर्षों में उसे विभिन्न मामलों में कई बार मृत्युदंड दिया गया था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जनवरी 2015 में उसकी दया याचिका पर निर्णय में देरी का हवाला देते हुए उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2023 में निठारी के अन्य मामलों में कोली और पंधेर दोनों को बरी कर दिया, और अधीनस्थ न्यायालय द्वारा सुनाये गये मृत्युदंड के फैसले को पलट दिया। इसके बाद, शीर्ष अदालत ने इस वर्ष 30 जुलाई को बरी किए गए दोनों लोगों के खिलाफ सभी अपीलें खारिज कर दीं।

मुख्य अभियुक्त शाहनवाज़ दिल्ली सं गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

पुलिस ने रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में वांछित चल रहे आरोपी शाहनवाज़ पुत्र महबूब निवासी ग्राम सहसपुर, थाना स्योहारा को दिल्ली से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी को 12 नवंबर 2025 को दिल्ली के कृष्णा नगर, खुरैजी खास क्षेत्र से दबिश देकर पकड़ा।

मामला 1 अक्टूबर 2025 का है, जब पीड़िता ने थाना हल्दौर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्तों ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया, जान से मारने की धमकी दी और ब्लैकमेल कर 27 लाख रुपये ऐंठ लिए। इस मामले में थाना हल्दौर पर मुकदमा अपराध संख्या 228/2025 धारा 376डी, 328, 506, 386 भादवि के अंतर्गत पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान चार अन्य नामजद अभियुक्तों—सरताज, हनीफ, नफीस और भूरा-की संलिप्तता झूठी पाई गई, जिसके बाद धारा 376डी के स्थान पर धारा 376 भादवि में संशोधन किया गया। मुख्य आरोपी शाहनवाज़ घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक मनीष कुमार, हे.का. चरणदास, निर्दोष कुमार, और महिला कांस्टेबल सोनू सांगवान, शामिल रहे।

झालू तिराहे नहटौर रोड पर पुलिस चैकिंग

एनसीआर टुडे. झालू। नगर के झालू तिराहे नहटौर रोड पर देर रात चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विशेष चैकिंग अभियान चलाया। अचानक शुरू हुई इस सघन कार्रवाई से वाहन चालकों और राहगीरों में अफरातफरी का माहौल बन गया।

दिल्ली में हुई हालिया घटना को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस हाई अलर्ट पर है। इसी क्रम में जनपद बिजनौर सहित विभिन्न स्थानों पर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है और वाहनों की गहन चैकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। चैकिंग के दौरान पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की।

कब्र से निकले शव का पोस्टमार्टम से खुला राज

ससुराल पक्ष के 07 लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर के मोहल्ला छिप्पीपाड़ा निवासी एक महिला की लाश को कब्र से निकाले जाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। जब मृतक महिला के शव की पोस्मार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टी होने के बाद पुलिस ने उसकी बहन की तहरीर के आधार पर जीरो एफआईआर के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए ससुरालियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर अमरोहा पुलिस को केस ट्रांसफर कर दिया है।

प्राप्त विवरण के अनुसार 03 सितंबर को नगर के पहाड़ी दरवाजा स्थित कब्रिश्तान में दफनाये गये ।एक महिला के शव को डीएम के आदेश पर 16 अक्टूबर को यानि 43 दिन पूर्व कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया था। मृतका की बड़ी बहन नाजिया ने डीएम को एक शिकायती पत्र सौंपकर आरोप लगाया था कि उसकी छोटी बहन शाजिया उम्र 31 वर्ष पुत्री नूर मौहम्मद की हत्या उसके ससुरालियों द्वारा की गयी है।

डीएम के आदेश पर नगीना नायब तहसीलदार श्याम सुंदर बैस और उपनिरीक्षक सपना तोमर, उपनिरीक्षक सुभाष तोमर, महिला हेड कांस्टेबल रेशमा चौधरी की मौजूदगी में शाजिया के शव को कब्र से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। मृतक शाजिया के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के सर और हाथ पर चोटे पहुंचाने के कारण उसकी हत्या की पुष्टी होने के बाद उसकी बहन की तहरीर के आधार पर पति अजहरुद्दीन पुत्र निसार, सास, रजिया पत्नी मुनव्वर, मुनव्वर पुत्र अनवर, तबस्सुम, वसीम, शक़ील और दाऊद कुल 07 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर केस अमरोहा पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है।

उधर थाना प्रभारी अवनीत मान ने जीरो एफआईआर के तहत बीएनएस की धारा 103/1 में मुकदमा दर्ज करने की पुष्टी की है।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक पर सवार एक महिला की दर्दनाक मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

फोर लेन हाइवे पर रॉन्ग साइड से आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक पर सवार एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।दोनो को नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगीना पहुंचाया गया,जहा पर डा ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

जबकि घायल युवक को हायर सेंटर बिजनौर रैफर कर दिया गया।मृतक का परिवार एक लगन कार्यक्रम से वापस लौट रहा था।धामपुर क्षेत्र की घटना के चलते धामपुर पुलिस ने नगीना पहुंचकर अग्रिम कार्रवाई करते हुए महिला के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक मृतका महिला सोनम (35 वर्ष)पत्नी कोमल अपने देवर निवासी समसपुर सद्दो के यहां

बुधवार को एक लग्न का कार्यक्रम था। जिसमें उसके परिवार के सदस्य शिरकत करने गए हुए थे। देर शाम को कार्यक्रम की समाप्ति के बाद जब परिवार के सब सदस्य वापसी कर रहे थे। उसी दौरान उल्टी आने के चलते सोनम अपने भतीजे प्रदीप कुमार पुत्र करण सिंह निवासी गंगाधर स्योहारा के साथ बाइक पर बैठ गई।

जबकि बाकी सदस्य अन्य गाड़ियों से वापसी कर रहे थे,।जब उनकी बाइक स्वश्तिक गार्डन के निकट पहुंची कि तभी एक ट्रैक्टर ट्राली जोकि रांग साइड से तेज़ी के साथ आ रही थी। उसने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी,टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार सोनम की सर में चोट लगने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।,जबकि प्रदीप कुमार की टांग में फ्रेक्चर हो गया और पैर की हड्डी भी टूट कर बाहर आ गई। तुरंत ही एंबुलेंस 108 से दोनो को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जहा पर डा ने सोनम को मृत घोषित कर दिया।मृतका के दो छोटे बच्चे है,जिनका और परिवार के सदस्यों का रो रो कर बुरा हाल है। जबकि प्रदीप को गंभीर अवस्था के मद्देनजर हायर सेंटर रैफर कर दिया गया।सूचना पर धामपुर पुलिस ने नगीना सामूदायिक स्वास्थ केंद्र पहुचकर शव को कब्जे के लेकर एटोप्सी के लिए बिजनौर भेज दिया।

मिशन शक्ति टीम ने गुमशुदा बालक को त्वरित कार्यवाही करते हुए परिजनों के सुपुर्द किया

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

थाना हल्दौर क्षेत्र के ग्राम बल्दिया में बुधवार को मिशन शक्ति टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए एक गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम बल्दिया निवासी कपिल पुत्र स्व. रामलाल ने मिशन शक्ति केन्द्र थाना हल्दौर के फोन नम्बर 01342-275223 पर सूचना दी कि लगभग 12-13 वर्ष का एक बालक, जो अपना नाम ईशान पुत्र स्व. नसीम अहमद निवासी बिजनौर बता रहा है, खेलते हुए उनके गाँव में आ गया है।

सूचना पर मिशन शक्ति थाना हल्दौर टीम तत्काल मौके पर पहुँची और बालक को थाने पर लाकर पूछताछ की। मामले की जानकारी 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा बाल कल्याण समिति को दी गई। साथ ही, पुलिस टीम ने डिजिटल वॉलंटियर ग्रुप एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बालक की फोटो प्रसारित की, जिससे शीघ्र ही परिजनों तक सूचना पहुँची।

परिजनों के आने पर बालक की पहचान ईशान पुत्र स्व. नसीम अहमद निवासी मोहल्ला बुखारा, डॉ. ईनामपुरिया वाली गली, थाना कोतवाली शहर, जनपद बिजनौर के रूप में की गई। आवश्यक कार्यवाही के उपरांत पुलिस ने बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

टीम में शामिल पुलिसकर्मी:
उपनिरीक्षक मनीष कुमार, थाना हल्दौर
महिला कांस्टेबल सोनू सांगवान (म.का. 795), थाना हल्दौर

मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत की गई इस त्वरित कार्रवाई ने पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रानिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110055 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये **ई–निविदा** आमंत्रित की जाती है

निविदा सं0	93255889
विवरण	एयर कंप्रेसर – रोटरी स्क्रू, विद्युत संचालित, 300 CFM, 10 किग्रा/से.मी² (संलग्न परिशिष्ट के अनुसार)
मात्रा	4 नग
अंतिम तिथि	09.12.2025

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाईट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुउल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगा।

टेंडर नोटिस सं.: 93255889 दिनांक: 12.11.2025

3523/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

बीजेपी के माहौल के लिए एग्जिट पोल

17 एग्जिट पोल एनडीए को जिता रहे हैं। खासतौर से भाजपा की सीटें बढ़ा चढ़ाकर। भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ी है। और एक एग्जिट पोल उसे 95 सीटों पर जिता रहा है। स्ट्राइक रेट कितना हुआ? 95 ही हुआ ना! या 94 हो जाएगा! और वफादारी पूरी दिखाने के लिए महागठबंधन को केवल 32 सीटें! बिहार में पूरा चुनाव मोदी के नाम लड़ा गया। नीतीश को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित नहीं किया गया। इसलिए मोदी पर ही फैसला होना है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एग्जिट पोल पर खुशी जता रहे हैं। वे यह भूल गए कि यह तो एग्जिट पोल हैं 2015 में जब वास्तविक नतीजे निकलना शुरू हुए थे तो यही टीवी चैनल अपने दिखा चुके एग्जिट पोल को दिख रहे रुझानों से उपर रखकर उन्हें हरा रहे थे और भाजपा की सरकार बना रहे थे। 2015 में भी इसी तरह टीवी चैनलों ने भाजपा की सरकार बनते हुए एग्जिट पोल जारी किए थे।

मगर गोदी मीडिया के एग्जिट पोलों ने इस बार और गजब का काम किया है। भाजपा को जिताने के लिए जिसे नीतीश अपनी जीत समझ रहे हैं इतने ऊंचे आंकड़े दिए हैं कि जो भी इन अनुमानों को सच में बदलने की कोशिश करे उसे कोई डर नहीं लगे। भाजपा को 95 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट। 17 एग्जिट पोल एनडीए को जिता रहे हैं। खासतौर से भाजपा की सीटें बढ़ा चढ़ाकर। भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ी है। और एक एग्जिट पोल उसे 95 सीटों पर जिता रहा है। स्ट्राइक रेट कितना हुआ? 95 ही हुआ ना! या 94 हो जाएगा! और वफादारी पूरी दिखाने के लिए महागठबंधन को केवल 32 सीटें! हरियाणा में अभी सभी टीवी चैनलों को एग्जिट पोलों ने और ग्राउन्ड पर रहे पत्रकारों ने साफ कांग्रेस की जीत बताई थी। मगर वहीं बीजेपी को जिता दिया गया। खुद बीजेपी के उम्मीदवारों को यकीन नहीं था। मगर मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी के मुंह से निकल गया था कि हम जीत रहे हैं। हमने सारी व्यवस्थाएं कर ली हैं। वह व्यवस्थाएं क्या थीं यह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभी एक प्रेस कान्फ्रेंस करके सबूतों के साथ बता दिया कि चुनाव वोट चोरी से जीता गया। 25 लाख फर्जी वोट डलवाए गए।

राहुल का कहना है कि यही काम बिहार में किए जाने की साजिश है। इसलिए एनडीए की जीत के इतने ऊंचे आंकड़े एग्जिट पोल के माध्यम से दिखाए जा रहे हैं। हरियाणा में लोगों ने बीजेपी की जीत पर आश्चर्य व्यक्त किया था बिहार में वह न हो। लोग अपने आप कहने लगें कि एग्जिट पोल ने ऐसा ही दिखाया था। 14 नवंबर को नतीजा कुछ भी हो चुनावों को किस हद तक मैनेज किया जा रहा है यह चिंता की सबसे बड़ी बात है। बीजेपी जीत जाए। एनडीए या महागठबंधन यह अलग मुद्दा है। मगर इस तरह इकतरफा एग्जिट पोल दिखाना एक बिल्कुल अलग मुद्दा है। यह लोगों के दिमाग को पहले से अनुकूलित करने की कोशिश है। झूठ को सच मनवाने की। आपरेशन सिंदूर के समय इन टीवी चैनलों ने ऐसा ही किया। इतना झूठ दिखाया कि सेना को खंडन करना पड़ा। 11 साल में इन्हें आदत पड़ गई है। पहले लोग लड़ जाते थे कि अखबार में छपा है। मतलब सही है। आज इसलिए लड़ जाते हैं कि टीवी पर है। मतलब झूठ है।

गोदी मीडिया को खबर के सही गलत होने से अब कोई फर्क नहीं पड़ता है। उसे अपनी विश्वसनीयता की भी कोई चिंता नहीं है। अभी मंगलवार को प्रमुख टीवी टैनलों ने प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र को मार दिया। ब्रेकिंग न्यूज चला दी। मंत्रियों के भी शोक संदेश आ गए। लंबे प्रोग्राम कर दिए। फिर पत्नी हेमामालिनी और बेटी ईशा का गुस्से में भरा हुआ बयान आया कि यह क्या बदतमीजी है। और अब धर्मेन्द्र अस्पताल से वापस घर आ गए हैं। मगर किसी टीवी चैनल ने माफी नहीं मांगी। और जो इस टीवी इंडस्ट्री के टाप एंकर इस खबर को दिखा रहे थे उनसे भी यह नहीं पूछने वाला नहीं है कि इतनी बड़ी खबर भी कन्फर्म तो कर लेते! मगर उन पत्रकारिता के सारे पुराने उसूलों की आज कोई जगह नहीं बची है। और यह सबसे तेज होने का किस्सा नहीं है। यह है कोई क्या कर लेगा? हमने देखा इसी चैनल और इसी एंकर को यह बताते हुए कि कोई हमें पत्रकारिता नहीं सिखाए। कोई सिखा भी नहीं सकता। किसी को जरूरत भी नहीं है।

मगर जनता जब जागेगी तो उसके गुस्से का सामना करना मुश्किल होगा। सच को हमेशा झूठ और झूठ को हमेशा सच बताकर पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल वोट पड़ गए हैं! नतीजे क्या होंगे यह देखा जाएगा। मगर यह चुनाव केवल एक विधानसभा का चुनाव नहीं था। देश की राजनीति का एक टर्निंग पाइंट साबित होने वाला चुनाव है। प्रधानमंत्री मोदी की वापसी दांव पर लगी हुई है। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद से मोदी की वोट कैप्चरिंग ताकत कम होना शुरू हो गई। इस चुनाव में वह 400 पार का नारा दे रहे थे। और इसी तरह टीवी चैनलों के एग्जिट पोलों ने उनका भारी बहुमत दिखाया था। मगर जनता ने 240 पर रोक दिया। और उसके बाद लगातार एक के बाद एक ऐसी घटनाएं हुईं कि मोदी का ग्राफ गिरता चला गया। पहलगाम की आतंकवादी घटना और फिर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के कहने से सीज फायर करना मोदी के लिए मंहगा पड़ गया। उसके बाद लगातार ट्रंप सीजफायर के दावे करते रहे। मोदी एक बार भी जवाब नहीं दे पाए। उनका सबसे बड़ा मुद्दा राष्ट्रवाद यहां छद्म राष्ट्रवाद में बदलता दिखाई दिया। और ट्रंप फिर यहां नहीं रुके उन्होंने भारत पर भारी टैरिफ लगाया। अभी लेटेस्ट रिपोर्ट आई है कि टैरिफ की वजह से भारतीय कपड़ा यहां महंगा हो गया और उसकी मांग में कमी आ गई। भारतीय वस्त्र उद्योग पर यह बहुत बड़ी चोट है।

भारत अमेरिका को वस्त्र निर्यात करने वाला प्रमुख देश है। भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी में वापस भेजने का सिलसिला भी जारी रहा और पाकिस्तान की तारीफ का भी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई बार कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा का सवाल है। प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना चाहिए। मगर मोदी मौन रहे। यहीं से भारतीय राजनीति का एक नया मोड़ शुरू होता है। मोदी की लोकप्रियता कम होने का और राष्ट्रीय स्तर पर राहुल और बिहार में तेजस्वी की लोकप्रियता बढ़ने का। बिहार का नतीजा यही बताएगा। वहां पूरा चुनाव मोदी के नाम लड़ा गया।

नीतीश को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित नहीं किया गया। इस चुनाव ने जहां बिहार में तेजस्वी के असर को बताया वहीं यह भी बताया कि इतनी बार पलटी मारने के बावजूद नीतीश का प्रभाव वहां बचा हुआ है। नतीजों के बाद मालूम पड़ेगा कि मोदी वापसी कर पा रहे हैं या नहीं। मगर यह अभी से साफ हो गया कि नीतीश के प्रति लोगों की सहानुभूति वहां है। इसी तरह जंगल राज का रोज सवाल उठाने के बावजूद आरजेडी का आधार वहां बना हुआ है।

नतीजे अगर वही रहे जो जनता ने वोट के जरिए चाहे हैं तो यह चुनाव 11 साल बाद भारतीय राजनीति को एक नई दिशा में मोड़ देगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए फिर वापसी करना मुश्किल हो जाएगा। एक दिसबंर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। यहां विपक्ष भारी हमलावर मुद्रा में दिखेगा। और इसके बाद पांच राज्यों बंगाल केरल तमिलनाडु असम और पुदुचेरी के चुनाव संभालना मोदी के लिए मुश्किल हो जाएगा।

डॉक्टर कैसे बने आतंक के सौदागर?

मनोज कुमार अग्रवाल

लालकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाने वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेडिक्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है?

पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की बरामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इसके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़े जमा चुके हैं। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह विस्फोट इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है।

संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अनंतनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी।

इसलिए यह मानना तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था।

देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे शर्मनाक करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे।

रिपोर्ट बताती है कि अनंतनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एके-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहाँ से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अब जिन्हें हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया वो भी एक डॉक्टर उम्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आड़ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है।

इससे पहले गुजरात से तीन आतंकियों को

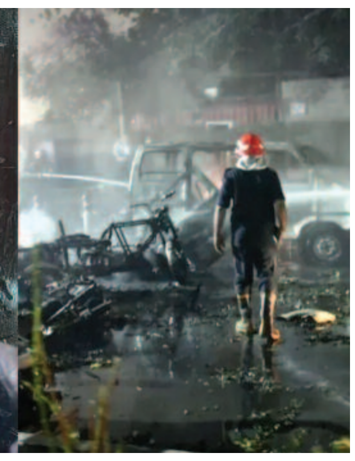

गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं। आतंकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आतंकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था। वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आतंकियों की नजरें आजादपुर मंडी इलाके पर थी।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राइसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पूछताछ में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों की जानकारियां भी जुटाई थीं। आतंकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिश्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिश्तानी आकाओं के इशारों पर ही आतंकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राइसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राइसीन पॉइजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है।

एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इंटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षड्यंत्रों को पकड़ने-समेत रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है।

लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है।

यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है। अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए।

आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आतंकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें।

आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते।

हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दवाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए। सभी के सहयोग से ही देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ा जा सकता है लेकिन उच्च शिक्षित डाक्टरों का आतंकी तंजीम से जुड़न बेहद चौकाने वाला और गहन चिंता का विषय है।

जिग्मे सिंगये वांगचुक : भूटान के आधुनिक निर्माण और भारत-भूटान मित्रता के शिल्पकार

भूटान के पूर्व राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक (के4) ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से देश को आधुनिकता, लोकतंत्र और सांस्कृतिक संरक्षण के संतुलन पर खड़ा किया। उन्होंने सकल राष्ट्रीय सुख को विकास का मूल दर्शन बनाया और भारत के साथ जलविद्युत कूटनीति के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी। भारत-भूटान संबंधों को उन्होंने पारस्परिक विश्वास और सुरक्षा सहयोग पर आधारित मॉडल साझेदारी में रूपांतरित किया। उनके शासन ने सिद्ध किया कि छोटे राष्ट्र भी संतुलित नीतियों, पर्यावरणीय चेतना और पड़ोसी सहयोग के माध्यम से समृद्ध, स्थिर और सशक्त बन सकते हैं। दूरदर्शी नेतृत्व जिसने सकल राष्ट्रीय सुख को विकास का आधार बनाया, जलविद्युत कूटनीति से आत्मनिर्भरता दी, और भारत-भूटान संबंधों को स्थायी सुरक्षा-सहयोग की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भूटान का इतिहास एक ऐसे अद्भुत शासक की गवाही देता है जिसने न केवल अपने देश को आधुनिकता के मार्ग पर अग्रसर किया, बल्कि उस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी सुरक्षित रखा जिसने उसे एक विशिष्ट राष्ट्र के रूप में पहचान दी।

यह शासक थे चतुर्थ राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक (के4), जिन्होंने 1972 से 2006 तक शासन किया। उन्होंने ऐसे समय में राजगद्दी संभाली जब भूटान एक सीमित संसाधनों वाला, आंतरिक रूप से बंद और बाहरी दुनिया से अपेक्षाकृत दूर देश था। परंतु उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने इस छोटे हिमालयी राष्ट्र को स्थिर, समृद्ध और आत्मनिर्भर लोकतंत्र में बदल दिया।

राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने विकास को केवल आर्थिक प्रगति से नहीं जोड़ा, बल्कि उसे मानवीय, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संतुलन से परिभाषित किया। उन्होंने "सकल राष्ट्रीय सुख" की अवधारणा दी, जिसने भूटान के शासन, नीति निर्माण और सामाजिक जीवन का मूल दर्शन बनकर कार्य किया। इस विचार में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि विकास का मापदंड केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि लोगों का मानसिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन भी होना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि भूटान के आधुनिकीकरण की गति परंपराओं को निगल न जाए, बल्कि उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़े। राजा वांगचुक ने भूटान को पूर्ण राजतंत्र से लोकतांत्रिक संवैधानिक शासन में रूपांतरित करने की ऐतिहासिक प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने 2001 में भूटान का संविधान तैयार करवाया, जो 2008 में लागू हुआ।

यह दुनिया में दुर्लभ उदाहरण है जब किसी राजा ने स्वयं अपने अधिकार सीमित कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को शक्ति सौंपी। 2006 में उन्होंने स्वेच्छा से अपने पुत्र जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के पक्ष में सिंहासन छोड़ दिया, यह दिखाते हुए कि सत्ता का वाश्तविक उद्देश्य जनकल्याण है, न कि अधिकारों का संचय। इस परिवर्तन ने भूटान को एक स्थायी लोकतंत्र, पारदर्शी शासन और संस्थागत जवाबदेही की दिशा में अग्रसर किया।

आर्थिक दृष्टि से भी जिग्मे सिंगये वांगचुक का काल भूटान के इतिहास में परिवर्तनकारी रहा। उन्होंने देश के सीमित संसाधनों को सही दिशा में उपयोग कर विकास का आत्मनिर्भर मॉडल तैयार किया। भूटान ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क संपर्क जैसी बुनियादी सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किए। भारतीय सीमा सड़क संगठन के सहयोग से भूटान के दुर्गम इलाकों में सड़कें और पुल बने, जिससे न केवल व्यापार और आवागमन बढ़ा बल्कि सीमाई सुरक्षा भी सुदृढ़ हुई। यह भूटान के ग्रामीण विकास और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की दिशा में एक निर्णायक कदम था।

परंतु के4 का सबसे उल्लेखनीय योगदान रहा भारत-भूटान संबंधों का सुदृढ़ीकरण। उन्होंने यह समझा कि भूटान की भौगोलिक स्थिति (भारत और चीन के बीच) एक रणनीतिक संवेदनशीलता का क्षेत्र है। अतः उन्होंने भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सहयोग पर आधारित संबंधों को प्राथमिकता दी। भूटान की विदेश नीति का प्रमुख श्तंभ बना भारत के साथ "विश्वास आधारित साझेदारी", जो आज भी दक्षिण एशिया में द्विपक्षीय संबंधों का आदर्श उदाहरण मानी जाती है।

इसी साझेदारी का सबसे प्रभावी रूप रहा जलविद्युत कूटनीति। भूटान की प्राकृतिक संपदा में सबसे बड़ा संसाधन उसकी नदियाँ हैं, जिनमें अपार जलविद्युत क्षमता निहित है। राजा वांगचुक ने बहुत पहले यह पहचान लिया था कि यही संसाधन भूटान की आत्मनिर्भरता और भारत-भूटान आर्थिक साझेदारी की रीढ़ बन सकता है। इस सोच के परिणामस्वरूप भारत और भूटान ने मिलकर कई प्रमुख परियोजनाएँ शुरू कीं-चुखा (1988), कुरिचू (2001), ताला (2006)-जो भारत द्वारा वित्तपोषित और तकनीकी रूप से सहयोगित थीं। इन परियोजनाओं से उत्पन्न बिजली भारत को निर्यात की गई और उसी राजस्व से भूटान ने अपने सामाजिक विकास कार्यक्रम चलाए।

इस प्रकार जलविद्युत कूटनीति ने दोनों देशों को आर्थिक रूप से एक-दूसरे से जोड़ दिया। भारत को स्वच्छ ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत मिला और भूटान को स्थायी आय का साधन। यह संबंध केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि राजनीतिक विश्वास और भौगोलिक स्थिरता का भी प्रतीक था। आज भी भूटान की राष्ट्रीय आय का लगभग 25% हिस्सा जलविद्युत निर्यात से आता है और इसका अधिकांश भारत को जाता है। इस मॉडल ने दिखाया कि क्षेत्रीय साझेदारी केवल व्यापारिक हित नहीं, बल्कि सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन के माध्यम से भी आगे बढ़ सकती है।

जिग्मे सिंगये वांगचुक की नीतियों ने भारत-भूटान सुरक्षा सहयोग को भी नई गहराई दी। भूटान की उत्तरी सीमाएँ चीन से लगती हैं, जहाँ कई बार सीमा विवाद और घुसपैठ की घटनाएँ हुई हैं। के4 ने इस संभावित खतरे को समय रहते भाँप लिया और भारत के साथ सामरिक सहयोग को सुदृढ़ किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि भूटान कभी भी किसी तीसरे देश के लिए भारत विरोधी गतिविधियों का अड्डा न बने। 2003 में उन्होंने भारतीय विद्रोही संगठनों-उल्फा, एनडीएफबी और के एलओ-के ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन ऑल क्लियर' चलाया और उन्हें भूटान से बाहर कर दिया। यह एक साहसिक कदम था जिसने भूटान की संप्रभुता और भारत के प्रति उसकी निष्ठा को प्रमाणित किया। सुरक्षा क्षेत्र में यह सहयोग केवल सैन्य नहीं बल्कि रणनीतिक भी था। भारत ने भूटान की सेना को प्रशिक्षण, उपकरण और बुनियादी ढाँचा प्रदान किया।

सीमा इलाकों में संयुक्त निगरानी और खुफिया साझेदारी ने दोनों देशों को क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में मदद की। यह सहयोग बाद के वर्षों में डोकलाम (2017) जैसे संकटों में और अधिक महत्वपूर्ण साबित हुआ, जब दोनों देशों ने एक-दूसरे के रणनीतिक हितों की रक्षा में एकजुट होकर कार्य किया।

राजा वांगचुक की दूरदर्शिता ने यह भी सुनिश्चित किया कि भूटान की विदेश नीति "संतुलन" पर आधारित रहे-जहाँ भारत प्राथमिक साझेदार है, वहीं भूटान ने अपनी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विशिष्टता को भी सुरक्षित रखा। उन्होंने अपने शासनकाल में चीन के साथ संवाद के कुछ सीमित प्रयास किए, परंतु भारत के हितों को कभी भी हानि नहीं पहुँचने दी। यह संतुलन आज भी भूटान की विदेश नीति की पहचान है।

उनकी नीतियों के कारण भारत और भूटान के बीच केवल सरकार-से-सरकार का नहीं, बल्कि "जन-से-जन संबंध" का भी विश्तार हुआ। भूटान में भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जलविद्युत और आईटी जैसे क्षेत्रों में सबसे बड़ा विकास सहयोगी बना। भूटान के युवा भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, और दोनों देशों के लोगों में सांस्कृतिक निकटता का भाव है।

भूटान के लोकतांत्रिक संक्रमण के बाद भी के4 की भूमिका परामर्शदाता और मार्गदर्शक के रूप में बनी रही। वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक (के5) ने अपने पिता की नीतियों को आगे बढ़ाते हुए भारत के साथ संबंधों को और गहरा किया। 2025 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान के दौरे पर गए, तो उन्होंने के4 के 70वें जन्मदिन समारोह में भाग लिया-यह इस संबंध की गहराई और निरंतरता का प्रतीक है। आज जब भारत अपने "पड़ोसी प्रथम" नीति के तहत क्षेत्रीय साझेदारी को प्राथमिकता दे रहा है, भूटान इसके केंद्र में है। भारत के लिए भूटान न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह दक्षिण एशिया में उस दुर्लभ पड़ोसी का उदाहरण है जहाँ विश्वास, समानता और आपसी सम्मान के आधार पर संबंध कायम हैं। भूटान के लिए भी भारत केवल एक आर्थिक भागीदार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और सुरक्षा गारंटी का प्रतीक है। जलविद्युत कूटनीति के माध्यम से जहाँ आर्थिक परस्परता मजबूत हुई, वहीं सुरक्षा सहयोग के कारण सीमाई स्थिरता बनी रही। इस संतुलन ने भूटान को एक "सॉफ्ट पावर" राष्ट्र के रूप में पहचान दी, जिसने विकास और आध्यात्मिकता को जोड़कर दुनिया के सामने एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रश्तुत किया।

राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक ने यह सिद्ध किया कि छोटे देश भी यदि दूरदृष्टि, स्थिर नेतृत्व और संतुलित कूटनीति अपनाएँ तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि अपने बड़े पड़ोसियों के साथ समानता पर आधारित संबंध भी स्थापित कर सकते हैं। भूटान का लोकतांत्रिक और आर्थिक उत्थान इसी नेतृत्व की विरासत है।

अंततः कहा जा सकता है कि के4 ने भारत-भूटान संबंधों को "विकास और सुरक्षा साझेदारी" में रूपांतरित किया। जहाँ जलविद्युत परियोजनाएँ आर्थिक समृद्धि का आधार बनीं, वहीं रक्षा और सीमाई सहयोग ने राजनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित किया। उनका शासन इस बात का प्रमाण है कि आधुनिकता और परंपरा, लोकतंत्र और राजतंत्र, आत्मनिर्भरता और साझेदारी-सभी एक साथ अशितत्व में रह सकते हैं यदि नेतृत्व में दूरदर्शिता और निस्वार्थता हो।

आज भूटान दुनिया का एकमात्र "कार्बन-ऋणात्मक" देश है, जहाँ विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना हुआ है।

निठारी कांड के निर्णय पर उठते सवाल

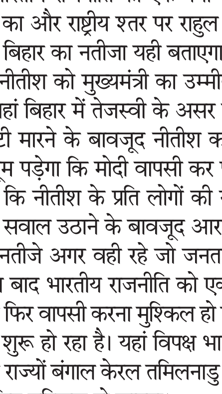

अशोक मधुप

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी।

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दश्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती।

कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फंसी की सजा पाए कोठी डीएस5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है।

कोर्ट ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है।

ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला? 29 दिसंबर 2006 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया।

मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।

पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था।

पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ़ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे।

न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। कोर्ट ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही।

उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है?

एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नही हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है।

सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया।

हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है?इस केस में शुरूआत से ही पुलिस पर आरोप लगते रहते हैं कि वह इस मामले में रूचि नही ले रही।

उसी के बाद मामला सीबीआई को गया। अब सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठा है तो सीबीआई को अपनी जांच और प्रक्रिया पर भी सोचना और बदलाव करना होगा। क्योंकि देश में उसका बहुत सम्मान है। प्रत्येक प्रकार के टिपिकल मामले में उसी से जांच कराने की बात आती है। अब उसकी भी जांच ऐसी ही निम्न श्तरीय होगी,तो फिर उसे सोचना तो होगा ही।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस शहर अध्यक्ष की बेटी की शादी में शगुन से भरा बैग चोरी, सीसीटीवी फुटेज में दिखा चोर

चंदौली, एजेंसी। चंदौली जिले में शादी के जश्न के बीच चोर ने शगुन के बैग पर हाथ साफ कर दिया। कांग्रेस महिला शहर अध्यक्ष की बेटी की शादी में चोरी की घटना से अफरातफरी मच गई। चंदौली जिले के मुगलसराय थाना क्षेत्र के नई बस्ती स्थित एक लॉन में कांग्रेस महिला शहर अध्यक्ष ट्रीजा एलियट की पुत्री की शादी में शगुन से भरा बैग चोरी हो गया। यह घटना उस समय हुई जब ट्रीजा एलियट वर-वधू को आशीर्वाद देने गई थीं। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए चोरी की शिनाख्त करने के लिए छानबीन शुरू कर दी। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक युवक स्टेज पर लोगों के बीच में जाते हुए दिख रहा है, वहां से शगुन से भरा बैग लेकर जैकेट के अंदर छिपाकर निकलता दिखा। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। ट्रीजा एलियट की पुत्री की शादी में शहर के कई बड़े नेता और मेहमान शामिल हुए थे। इस दौरान चोरी की घटना के बाद शादी में आए मेहमानों में अफरा-तफरी मच गई। उधर, घटना के संबंध में थानाध्यक्ष गगनराज सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा होगा।

स्कूल गई छात्रा लापता, अपहरण की आशंका

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक 14 वर्षीय छात्रा स्कूल जाते समय रास्ते से लापता हो गई है। शिकायत लापता छात्रा की मां ने थाने में दी है। पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री गांव रुदायन स्थिति एक निजी स्कूल में नौंवी की छात्रा है। मंगलवार सुबह समय करीब साढ़े आठ बजे वह घर से स्कूल में प्रैक्टिकल परीक्षा देने गई थी। शाम तक घर नहीं लौटी तो तलाश करने पर उसका कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए थाने पहुंच कर तहरीर दी है। थाना पुलिस का कहना है अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लापता किशोरी की तलाश की जा रही है।

बिना बेहोश किए ही कर दी टूटी हड्डी की सर्जरी, खुद देखते रहा मरीज- ऑपरेशन सफल

गोरखपुर, एजेंसी। बंगलूरू के एमएस रामैया मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में इस शोध पर उन्होंने पोस्टर प्रस्तुति दी। इस शोध के लिए उन्हें तीसरा स्थान मिला है। एम्स के डॉ. नीरज ने नर्व ब्लॉक तकनीक का इस्तेमाल कर यह सर्जरी की है। उन्होंने सुपीरियर ट्रंक और सुपरफिशियल सर्वाइकल प्लेक्सेस ब्लॉक का उपयोग किया। मोटापे से ग्रस्त उच्च जोखिम वाले मरीज में हंसली (क्लैविकल) के बाहरी हिस्से के फ्रैक्चर की सर्जरी बिना बेहोश किए ही किया जा सकेगा। यह शोध किया है एम्स के जूनियर रेजिडेंट डॉ. नीरज ने। उन्होंने इसका सफल परीक्षण भी कर लिया है। बंगलूरू के एमएस रामैया मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में इस शोध पर उन्होंने पोस्टर प्रस्तुति दी। इस शोध के लिए उन्हें तीसरा स्थान मिला है। एम्स के डॉ. नीरज ने नर्व ब्लॉक तकनीक का इस्तेमाल कर यह सर्जरी की है। उन्होंने सुपीरियर ट्रंक और सुपरफिशियल सर्वाइकल प्लेक्सेस ब्लॉक का उपयोग किया। इसमें उनहोंने नर्व ब्लॉक का उपयोग किया यानी केवल उस हिस्से की नसों को अस्थायी रूप से सुन्न् किया गया, जहां सर्जरी होनी थी। मरीज पूरी सर्जरी के दौरान जागा रहा लेकिन उसे दर्द महसूस नहीं हुआ। इस उपलब्धि पर एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता और एनेस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार शर्मा ने बधाई दी है।

कानपुर, इटावा सहित प्रदेश के कई शहरों में रात में चल रही है शीतलहर, नौ डिग्री के साथ यह शहर सबसे ठंडा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में नवंबर के महीने में ही आंशिक शीतलहर चल रही है। नौ डिग्री तापमान के साथ कानपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा जिला रहा। उत्तर प्रदेश में पछुआ हवाओं के चलते रातों में ठंड अचानक तेज हो गई है। मंगलवार को कानपुर शहर व इटावा जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि प्रदेश के जिन जिलों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे लुढ़क जा रहा है, वहां रातों में या तड़के सुबह तक अगले तीन दिनों तक शीतलहर जैसी स्थितियां बनी रह सकती हैं। मंगलवार को 9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। वहीं 9.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम पारे के साथ इटावा दूसरे नंबर पर रहा। जिससे इन दोनों जिलों में कहीं कहीं रात में शीतलहर जैसी स्थिति देखने को मिली। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी तीन दिनों तक यह स्थिति बनी रह सकती है और कई जिलों में रात का तापमान और नीचे जा सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी और उसके बाद लगातार चल रही ठंडी पछुआ हवाओं के असर से प्रदेश के कई जिलों में रात का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे लुढ़क गया है।

सीएसजेएमयू में कॉपी बदलकर छात्रा को बना दिया टॉपर,

आरोप सही मिलने पर डायरेक्टर सस्पेंड

कानपुर, एजेंसी। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी लीगल स्टडीज के डायरेक्टर डॉ। पंकज द्विवेदी को सस्पेंड कर दिया गया है। उन पर एलएलएम सेकंड सेमेस्टर परीक्षा में कॉपी बदलवा कर छात्रा को टॉपर बनाने के आरोप हैं। इस मामले की शिकायत एक छात्र ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत की थी। इसके आधार पर जांच कमेटी गठित की गई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया। छात्र की शिकायत पर एक्शनः छात्र की शिकायत में बताया गया कि मई 2025 में एलएलएम के सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा हुई। छात्र का आरोप था कि इसमें टॉप करने वाली छात्रा को खुलेआम नकल कराई गई। उसकी कॉपी एग्जाम रूम कि अलग जगह ले जाकर लिखी गई।

वहीं, छात्रा ने जो कॉपी लिखी वह जमा ही नहीं कराई गई। आरोप है, कि उत्तर की पूरी कॉपी घर पर ही लिखवा ली गई थी। उस कॉपी को अन्य छात्रों की कॉपियों के साथ बंडल में शामिल कर लिया गया। इससे छात्रा को क्लास में सबसे ज्यादा नंबर मिले और वह टॉपर बनी।

जांच में सही पाए गए आरोपः छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी दिवाकर अवस्थी ने बताया कि छात्र की शिकायत पर जांच कमेटी गठित की गई थी। जांच में आरोप सही मिलने पर यूनिवर्सिटी की अनुशासनात्मक समिति की बैठक बुलाई गई।

इस बैठक के बाद समिति ने अटल बिहारी वाजपेयी लीगल स्टडीज के डायरेक्टर डॉ। पंकज द्विवेदी पर एक्शन लिया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। डॉ। पंकज को प्रो। वीसी ऑफिस से अटैच कर दिया गया है।

छात्र-छात्रा की पहचान गोपनीयः सीएसजेएमयू के मीडिया प्रभारी दिवाकर अवस्थी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के करियर का ध्यान रखते हुए छात्रा और शिकायत करने वाले छात्र का नाम उजागर नहीं किया है।

फिर से होगी परीक्षाः इस मामले की जांच और रिपोर्ट के आधार पर डॉ। पंकज द्विवेदी के खिलाफ अगली जांच भी होगी। इसके साथ ही समिति की बैठक में यह भी फैसला किया गया, कि छात्रों की परीक्षा अमान्य मानी जाएगी। एक बार फिर से चारों विषयों की परीक्षा कराई जाएगी।

बिजनौर भी रहा आतंकियों का ठिकाना, धमाके के बाद खुली थी पोल, दाऊद के खास सलीम 'कुत्ता' से भी जुड़ा कनेक्शन

बिजनौर, एजेंसी। साल 2013 में मध्यप्रदेश की खंडवा जेल से फरार सिमी के छह आतंकियों ने बिजनौर में ठिकाना बनाया था। 12 सितंबर 2014 को बम विस्फोट के बाद आतंकियों का ठिकाना उजागर हुआ था।

शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बसा बिजनौर भी आंतकियों का ठिकाना रहा है। साल 2013 में मध्य प्रदेश की खंडवा जेल से भागने वाले सिमी के छह आतंकियों ने बिजनौर शहर में पनाह ली थी। इनकी पोल तब खुली, जब 2014 में बम बनाते हुए विस्फोट हो गया था। हालांकि बाद में इन आतंकियों को भोपाल में ढेर किया गया था।

बिजनौर के मोहल्ला जाटान में 12 सितंबर 2014 को लीलो देवी के मकान में बम विस्फोट हुआ। पता लगा कि इस मकान में किराए पर रहने वाले सिमी के आतंकी हैं, जिन्होंने खंडवा जेल से भागकर यहीं पर बम बनाना सीखा और बम बनाने के बाद प्रदेश में अलग अलग जगहों पर सप्लाई किए। उस वक्त आतंकियों के कमरे से सिलिंडर बम, बम बनाने का सामान, पिस्टल, लैपटॉप बरामद हुए थे। इस विस्फोट में आतंकी महबूब घायल हुआ था। एक चिकित्सक से प्राथमिक उपचार कराने के बाद आतंकी बरुकी के पास उमरी के जंगल में भी रहे।

विस्फोट के बाद आतंकी असलम, एजाज, जाकिर, अमजद, सालिम और महबूब बिजनौर से भाग निकलने में कामयाब हो गए थे। हालांकि नवंबर 2016 में भोपाल में आठ आतंकी मारे गए थे। जिनमें छह आतंकी बिजनौर में पनाह लेने वाले भी थे। उधर दाउद के करीबी बताए जाने वाले सलीम कुत्ता का नाम भी बिजनौर से जुड़ता रहा है, जोकि नजीबाबाद के कल्हेड़ी में रहा था। सिमी आतंकितयों की मदद करने वाले मोहल्ला भाटान निवासी रईस, उसका पुत्र अब्दुल्ला, गांव उमरी की हुस्ना, उसके भाई झालू के फुरकान को पुलिस ने पकड़ा था। इन्हें जेल भी भेजा गया था।

पत्नी से परेशान पति ने दी जानः मरने से पहले रिकॉर्ड किया ऑडियो, ससुरालवालों पर लगाए कई आरोप

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मंगलवार को सुबह उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। उसने मरने से पहले ऑडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें पत्नी और ससुरालवालों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है

बदायूं के सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ब्राहमपुर रजी चौक निवासी राहुल दुबे (22 वर्ष) का शव मंगलवार को घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। मरने से पहले उसने अपने मोबाइल फोन में ऑडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें अपनी पत्नी व ससुरालवालों को मौत का जिम्मेदार बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फोन में मिले ऑडियो में राहुल कहता है कि पत्नी उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। वह लगातार उसको परेशान करती आ रही थी। सात लाख रुपये की मांग करती थी और अपने भाई-भाभी, बहन-बहनोई के साथ दिल्ली में रहने का दबाव बना रही थी। परिवार के लोगों पर दहेज उत्पीड़न व घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दे रही थी। इसी से परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली।

मृतक के भाई शिवम दुबे ने बताया कि राहुल जागरण पार्टी में काम करता था। साथ ही इको गाड़ी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी शादी 21 मई 2023 को सहसवान के मोहल्ला अकबराबाद की रहने वाली दुर्गा दीक्षित के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही वह अपने भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही है।

शिवम के मुताबिक भाभी दुर्गा भाई के साथ रहना नहीं चाहती थी। उसने एक मुकदमा भी दर्ज करा रखा है। आरोप है कि दुर्गा उससे तलाक का दबाव बना रही थी। साथ ही सात लाख रुपये भी मांग रही थी। राहुल उसको तीन लाख रुपये तक देने को कह रहा था। इसके बाद भी वह घरेलू हिंसा का मुकदमा पूरे परिवार पर लिखाने की धमकी दे रही थी।

इसी परेशान होकर राहुल ने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने परिवार व मिलने वाले लोगों के पास ऑडियो भेज दी। उसमें उसने अपनी पत्नी व ससुरालियों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राहुल के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मां ने 10 महीने के बेटे को चूल्हे में झोंका; जिंदा जल गया मासूम, महिला ने खुद भी दे दी जान, पति से झगड़े के बाद खोया आपा

सोनभद्र, एजेंसी। मां ने अपने 10 महीने के बेटे को जलते चूल्हे में झोंक दिया। इससे मासूम जिंदा जल गया। इसके बाद महिला ने खुद भी आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार रात की है। गुरुवार की सुबह लोगों को इसकी जानकारी हो पाई। महिला का फोन पर पति से झगड़ा हुआ था। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बभनी थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली गई है। महिला का पति मुंबई में रहता है। पति से फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने यह कदम उठाया।महिला और बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पति के आने का इंतजार किया जा रहा है।

सोनभद्र की महिला की छत्तीसगढ़ में हुई थी शादी : घटना जिले के बभनी इलाके के आसनडीह गांव (जोबेदह टोला) की है। यह गांव छत्तीसगढ़ सीमा से लगा है। इस गांव की रहने वाली राजपति (28) की शादी छत्तीसगढ़ के बसंतपुर थानाक्षेत्र के ढेंगरपानी गांव निवासी पतिराज से हुई थी। परिवार में 2 बेटे थे। इनमें से एक 10 महीने का था। दूसरा बेटा बड़ा है।

खाना खाने के बाद सोने गया था परिवार : थाना प्रभारी के अनुसार महिला का पति मुंबई में काम करता है। राजपति इस समय अपने मायके में ही रह रही थी। बुधवार की रात को उसका फोन पर पतिराज से झगड़ा हो गया था। खाना खाने के बाद परिवार के अन्य सदस्य सोने चले गए थे। बड़ा बेटा अपने मामा के साथ सोने गया था।

घर में हो गई बड़ी घटना, परिजनों को नहीं लगी भनक : महिला अपने 10 महीने के बेटे के साथ दूसरे कमरे में सोने चली गई थी। रात में किसी समय उसने चूल्हा जलाकर मासूम को उसमें झोंक दिया। इससे जिंदा जलकर बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद राजपति ने भी आत्महत्या कर ली। रात में परिवार को इस घटना की जानकारी नहीं हो पाई।

गुरुवार की सुबह परिवार के लोग जगे तो चूल्हे में मासूम की लाश पड़ी थी। कमरे में महिला का भी शव पड़ा था। परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना लोगों ने बभनी थाना पुलिस को दी। सब इंस्पेक्टर मक्खन लाल ने टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

मुरादाबाद जिले में दस माह के भीतर 55 मुठभेड़.. दो मारे गए, 120 अपराधी गिरफ्तार, 80 के पैर में लगी गोली

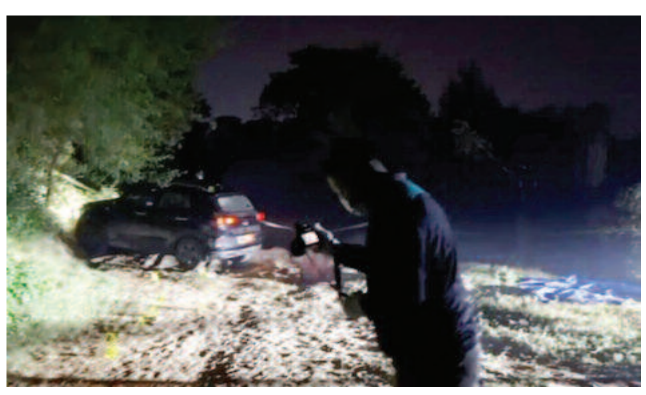

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद में इस साल अब तक 55 मुठभेड़ों में 120 अपराधी पकड़े जा चुके हैं। इनमें से 80 के पैर में गोली लगी है। सोमवार रात मेरठ के बदमाश आसिफ टिड्डा और दीनू मुठभेड़ में ढेर हुए। पुलिस लूट, हत्या, दुष्कर्म और अपहरण जैसे मामलों में लगातार कार्रवाई कर रही है।

मुरादाबाद जिले में इस साल अब तक में 55 मुठभेड़ में 120 अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 80 बदमाशों के पैर में गोली लगी है। सोमवार की रात हुई मुठभेड़ में मेरठ के दो बदमाश ढेर हो गए। पुलिस ने इस साल एक जनवरी से ही अपराधियों पर शिकंजा करना शुरू कर दिया था। मूंढापांडे क्षेत्र में गोकशी के आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था।

इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी थी। उससे पूछताछ के बाद उसके अन्य साथियों के नाम सामने आए थे।

आपरेशन लंगड़ा अभियान पुलिस का यही खत्म नहीं हुआ। इसके बाद भी पुलिस जिले में मुठभेड़ में बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी। कटघर, सिविल लाइंस, मझोला, पाकबड़ा, डिलारी, भोजपुर, ठाकुरद्वारा में पुलिस ने मुठभेड़ में पुलिस ने लूट, अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामलों में अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

दस माह 11 दिन में पुलिस की बदमाशों से 55 बार मुठभेड़ हुई। 10 पुलिस कर्मी भी इसमें घायल हुए हैं। सोमवार को हुई मुठभेड़ में बदमाश आसिफ टिड्डा और उसका साथी दीनू मुठभेड़ में ढेर हो गए हैं।

सात सितंबर की शाम करीब छह बजे कटघर के भदौड़ा दुर्गेश नगर निवासी हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की गोली मारकर कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने साथी के साथ घर लौट रहा था। इस मामले में कमल चौहान के भाई संजय ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था।

नौ सितंबर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान सनी दिवाकर को गिरफ्तार किया था। उसके दोनों पैरों में गोली लगी थीं। इस हत्याकांड के दो आरोपी लकी यादव और अनमोल कश्यप एकाउंटर के डर में पुलिस ऑफिस पहुंचकर सरेंडर किया था। तीसरे आरोपी मोनू पाल ने कोर्ट में सरेंडर किया है।

संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, हत्या का आरोप

हाथरस, एजेंसी। परिजनों ने बताया कि रेखा का किसी बात पर सास, चचिया सास और चचिया ससुर से विवाद हो गया। उन्होंने कमरे में घुसकर अंदर से कुंदी लगा ली और गले में अंगोछे का फंदा बनाकर पंखे से लटक गईं।

हाथरस में सहपऊ क्षेत्र के गांव नगला परसू में 35 वर्षीय रेखा उर्फ राखी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव अंगोछे के फंदे से पंखे से लटका मिला। मायके वालों ने उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है।

परिजनों ने बताया कि 10 नवंबर की दोपहर करीब तीन बजे रेखा का किसी बात पर सास, चचिया सास और चचिया ससुर से विवाद हो गया। उन्होंने कमरे में घुसकर अंदर से कुंदी लगा ली और गले में अंगोछे का फंदा बनाकर पंखे से लटक गईं। उस समय उनके पति काम पर गए हुए थे। पुत्र ने भागकर पिता को इसकी सूचना दी। पति ने आकर परिजनों के साथ कमरे का दरवाजा तोड़कर रेखा को फंदे से उतारा और उन्हें सीएचसी ले गए। वहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।देर शाम मायके वालों ने आकर ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सादाबाद अमित पाठक का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि विवाहिता ने आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या हुई है। इस संबंध में अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।

हाथों में मेहंदी और चेहरे पर फेसपैक लगा युवती ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, एजेंसी। युवती ने मौत को गले लगा लिया। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के छाबी तालाब मोहल्ले की है। हाथों में लगाई मेहंदी और चेहरे पर लगाया फेसपैक, फिर युवती ने फंदा लगाकर दे दी जान। परिजन कोई ठोस वजह नहीं बता पा रहे। हालांकि इतना जरूर बताया कि सुबह मां ने जल्दी उठने की बात कही थी, हो सकता है यही बात उसे बुरी लग गई हो और उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के छाबी तालाब मोहल्ला निवासी मोनी ने बताया कि उसकी छोटी बहन रजनी (19) ने सोमवार को दोपहर घर के कमरे में पंखे के छल्ले से साड़ी से फंदा लगा लिया। घटना के समय मोनी कटरा मोहल्ला स्थित चित्रांस पब्लिक स्कूल में पढ़ाने गई थी। दोपहर दो बजे के करीब जब वह वापस लौटी तो घर के दरवाजे बंद मिले। पड़ोसियों ने बताया कि काफी देर से रजनी कमरे से नहीं निकली है। तब वह छत के रास्ते से कमरे में दाखिल हुई तो वह फंदे से लटकी थी।

मोनी ने बताया कि सुबह के समय मां राजरानी ने उसे सुबह जल्दी उठने के लिए कहा था। इसके बाद रजनी ने उन्हें टिफिन पैक करके दिया था। मोनी का भी टिफिन तैयार किया था। मोनी ने बताया कि खुदकुशी करने से पहले रजनी ने हाथों में मेहंदी और चेहरे पर फेसपैक भी लगाया था। पिता महेश वर्मा किराए का आटो रिक्शा चलाते हैं। वह चार बहनों में सबसे छोटी थी। परिजन कोई ठोस वजह नहीं बता सके हैं। शहर कोतवाल बलराम सिंह ने बताया कि परिजन कोई ठोस वजह नहीं बता सके हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, जांच अधिकारी को समय से उपलब्ध कराएं विसरा रिपोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, डीजीपी और प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य को बिसरा की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि विवेचना अधिकारियों को समय पर विसरा रिपोर्ट मिलनी चाहिए। बिसरा रिपोर्ट के बिना चार्जशीट दाखिल करने पर कहा कि अधूरी विवेचना करके मौत का कारण जाने बिना चार्जशीट दाखिल करना सही नहीं है।

यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने दहेज हत्या के मामले में आरोपी रामरतन निवासी फर्रुखाबाद की जमानत अर्जी खारिज करते हुए दिया है। कोर्ट ने फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं से विसरा रिपोर्ट जांच एजेंसियों तक पहुंचने में हो रही देरी को चिंताजनक बताया। साथ ही मुख्य सचिव, डीजीपी और महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य को स्थिति की जांच करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, कि विसरा रिपोर्ट समय की बर्बादी किए बिना जल्द उपलब्ध कराई जाए। ताकि जांच के दौरान पूर्ण, उचित और प्रभावी मूल्यांकन संभव हो सके। कोर्ट ने कहा कि मृतक का विसरा फरवरी 2024 में झांसी स्थित प्रयोगशाला भेजा गया था। सितंबर 2024 में तैयार किया गया, लेकिन रिपोर्ट पहली फरवरी 2025 तक जांच अधिकारी को नहीं मिली। इसके बाद ही केस डायरी में संलग्न की गई। जबकि आरोप पत्र 13 सितंबर 2024 को ही दाखिल किया जा चुका था।

विसरा रिपोर्ट मिलने से पहले 11 नवंबर 2024 को मामले का संज्ञान ले लिया गया था। कोर्ट ने इसे परेशान करने वाला तथ्य मानते हुए कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं द्वारा विसरा रिपोर्ट को जांच एजेंसी को जल्द भेजने की प्रक्रिया होनी चाहिए। मामले की जांच विसरा रिपोर्ट पाए बिना ही पूरी कर ली गई। आरोप-पत्र दाखिल कर दिया गया। इससे स्पष्ट होता है, कि जहां तक मृत्यु के कारण का प्रश्न है, वह निर्णायक नहीं था। इस देरी से यह भी पता चलता है, कि जांच किसी न किसी रूप में अधूरी थी। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे महत्वपूर्ण साक्ष्य समय रहते जांच एजेंसी के पास होना चाहिए। ताकि किसी उचित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके।

कोर्ट ने अफसरों को निर्देश दिए कि अधूरी जांच से बचने के लिए विसरा रिपोर्ट बिना समय की बर्बादी के भेजी जाए। कोर्ट ने रजिस्ट्रार अनुपालन को आवश्यक कार्रवाई के लिए एक सप्ताह के भीतर संबंधित अधिकारियों को इस आदेश से अवगत कराने का भी निर्देश दिया है।

यह है मामलाः याची के मामले में घटना की प्राथमिकी मृतका प्रेमलता के भाई अटल बिहारी ने मोहम्मदाबाद थाने में दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया कि बहन को उसके पति रामरतन, ससुर मुन्ना लाल और सास रानी देवी दहेज में मोटर साइकिल और एक लाख रुपए की मांग को लेकर परेशान और प्रताड़ित करते थे। 4 फरवरी 2024 को बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। यह भी आरोप है, कि बहन के चेहरे, गर्दन व शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे।

इस टीम से खेलते दिख सकते हैं 'सचिन के लाल'

अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने से पहले ट्रेड डील सुर्खियों में है। संजू सैमसन और रविंद्र जडेजा को लेकर राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच ट्रेड डील होने की संभावना है। इस बीच खबर है कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ट्रेड करने की तैयारी में है। वह अर्जुन को लखनऊ सुपर जायंट्स को देना चाहती है और शार्दुल ठाकुर को अपने साथ जोड़ना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच शार्दुल ठाकुर और अर्जुन तेंदुलकर को ट्रेड करने को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, यह ट्रेड डील थोड़ी अलग है। दोनों खिलाड़ियों का फ्रेंचाइजियों के बीच स्वतंत्र आदान-प्रदान हो सकता है। सीधे-सीधे शब्दों में इसे ऑल कैश ट्रांसफर कहा जा सकता है।

बीसीसीआई देगा एक्सचेंज की जानकारी

आईपीएल के ट्रेड नियमों के अनुसार खिलाड़ियों के एक्सचेंज की आधिकारिक घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को करनी होती है। इसी वजह से फ्रेंचाइजी अभी तक चुप हैं। क्रिकबज के अनुसार मुंबई क्रिकेट जगत के सूत्रों ने पुष्टि की है कि एक्सचेंज स्वैप की संभावना है। यह घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। साथ ही 15 नवंबर को खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने की सूची भी जारी होनी है।

शार्दुल ठाकुर को पिछले साल जेद्दा में हुई आईपीएल मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने उनके बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में चुना था। उन्होंने एलएसजी के लिए 10 मैचों केवल 18 रन बनाए, लेकिन 13 विकेट लेने में कामयाब रहे। उन्होंने मुख्य रूप से नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी की।

अर्जुन को नहीं मिला खेलने को मौका

अर्जुन तेंदुलकर पिछले कुछ सीजन से मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। पिछली दो नीलामियों में उन्हें उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये में जोड़ा गया।

26 वर्षीय बाएं हाथ के ऑलराउंडर को पिछले सीजन में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन पिछले दो सीजन में उन्होंने चार मैच खेले हैं। 2023 में तीन और 2024 में एक मैच खेले। कुल मिलाकर उन्होंने पांच आईपीएल मैचों में 13 रन बनाए हैं और तीन विकेट लिए हैं।

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने अपनी टीम को दी चेतावनी

भारत के खिलाफ पहला टेस्ट आज से

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट सीरीज की शुरुआत मजबूती से करनी होगी और पहले टेस्ट में जीत की कोशिश करनी होगी.

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 14 नवंबर से कोलकाता में हो रही है. भारतीय टीम अपनी धरती पर बेहद मजबूत मानी जाती है. वहीं, दक्षिण अफ्रीका टेंबा बवुमा की कप्तानी में लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2023-25) की विजेता है. इस वजह से भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज के रोमांचक होने की उम्मीद है. पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा

है कि दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट सीरीज की शुरुआत मजबूती से करनी होगी और पहले टेस्ट में जीत की कोशिश करनी होगी. भारत की परिस्थितियों में वापसी मुश्किल होती है.

ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका को पारी की शुरुआत में जसप्रीत बुमराह का डटकर सामना करना होगा और इसके बाद भारतीय स्पिनरों का सामना भी सतर्कता से करना होगा. अगर शुरुआत में ही 2-3 विकेट गिर गए और फिर स्पिनर आ गए. उसके बाद टीम के लिए मुश्किल हो जाएगी. टीम को शुरुआत में विकेट खोने से बचना होगा. ' तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की प्रशंसा करते हुए ग्रीम स्मिथ ने कहा कि वह निश्चित रूप से आक्रमण का अगुआ है, और वह नई गेंद से लय कैसे बना पाता है, यह टेम्बा की कप्तानी वाली टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा. केशव महाराज और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है, लेकिन तेज गेंदबाज रिवर्स स्विंग को कैसे संभालते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा. स्मिथ ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कोलकाता की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी.

यह एक ऐसा स्टेडियम है जो अगर यह भरा हुआ हो, तो दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा. स्मिथ की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में एकमात्र टेस्ट सीरीज जीती है.

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा ट्रांसफर

- जडेजा लौट सकते हैं राजस्थान रॉयल्स, संजू सैमसन होंगे CSK के नए स्टार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी ट्रांसफर देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने करियर की शुरुआत करने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स में वापसी करने वाले हैं। इस संभावित मेगा डील के तहत राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ष्टस्य का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि जडेजा को क्र में कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे यह सौदा ढ्ढक्क इतिहास के सबसे चर्चित ट्रेड में से एक बन जाएगा।

जडेजा की 'घर वापसी' - नेतृत्व के नए अवसर

रिपोर्ट के मुताबिक, 37 वर्षीय रवींद्र जडेजा अपने करियर के अंतिम चरण में कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने आईपीएल 2008 में राजस्थान रॉयल्स से ही अपने सफर की शुरुआत की थी और 2008 के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी।

जडेजा ने 2012 में सीएसके जॉइन किया और अगले 13 सीजन में 2198 रन और 143 विकेट झटके, जिससे टीम ने तीन खिताब अपने नाम किए। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि उनके अनुभव से टीम को स्थिरता और दिशा मिलेगी, खासकर रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ।

विश्व कप शतरंज: प्रज्ञानन्दा ने बचाई बाजी, अर्जुन, कार्तिक,हरिकृष्णा और प्रणव ने भी खेला ड्रॉ

गोवा, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर्स के लिए मंगलवार का दिन राहत और रोमांच दोनों लेकर आया। फ़ीडे वर्ल्ड कप 2025 के चौथे दौर की पहली बाजी में भारत के आर. प्रज्ञानन्दा रूस के डेनियल डुबोव के खिलाफ एक समय हार की कगार पर पहुँच गए थे पर उन्हें एक बार फिर अपने विरोधी की कुछ ग़लत चालों का और खुद की हर कीमत पर लड़ते रहने का फ़ायदा हुआ आवर मुश्किल स्थिति से ड्रॉ निकालकर प्रज्ञानंद नें अपनी उम्मीदें कायम रखीं है । वहीं भारत के अर्जुन एरिगैसी, कार्तिक वेंकटारमन , प्रणव वी और पी. हरिकृष्णा ने भी अपने-अपने मुकाबलों में केल मोहरो से खेलते हुए ड्रा खेला। दूसरे वरीय अर्जुन एरिगैसी ने अनुभवी हंगेरियन ग्रैंडमास्टर पीटर लेको के खिलाफ सिर्फ 20 चालों में खेल ड्रॉ कर लिया। हरिकृष्णा ने स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को 32 चालों में रोका, जबकि कार्तिक वेंकटारमन ने वियतनाम के ली

क्वांग लियेम से 36 चालों में अंक साझा किया। जबकि भारत के दल के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक प्रणव नें उज़्बकिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी याकूबबोएव नोदिरबेक के ख़िलाफ़ 82 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में शानदार बचाव करते हुए आधा अंक बांटा । वहीं प्रज्ञानन्दा का मुकाबला दिन का सबसे रोमांचक रहा। चौदहवीं चाल पर 'डी' प्यादा आगे बढ़ाने के बाद वे असुविधाजनक स्थिति में आ गए और घड़ी के दबाव में फंस गए। खेल की 39वीं चाल में उनसे एक भारी भूल हुई और अगर डुबोव घोड़े की चाल देख लेते तो प्रज्ञानन्दा की हार तय थी हालांकि डुबोव से निर्णायक चाल छूट गई और अंततः 41 चालों के बाद बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। अन्य महत्वपूर्ण मुकाबलों में दो बार के चैंपियन यूएसए के लेवोन एरोनियन ने पोलैंड के राडोस्लॉव वोइटाजेक को 37 चालों में सफेद मोहरों से हराया। वहीं पेरू के जोसे एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा ने रूस के एलेक्सी साराना को 39 चालों में परास्त किया।

लॉरा वोल्वार्ड्ट बनीं अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन और प्रेरणादायक नेतृत्व के लिए अक्टूबर 2025 की आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के खिताब से सम्मानित किया गया है। भारत में आयोजित महिला क्रिकेट विश्व

- **विश्व कप में रनों की रानी**

कप 2025 के दौरान वोल्वार्ड्ट ने न केवल सबसे अधिक रन बनाए, बल्कि अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके बल्ले से आठ मैचों में 470 रन निकले, औसत रहा 67.14 और स्ट्राइक रेट 97.91, जो उनके क्लास और निरंतरता का प्रमाण है।

बल्ले से दमदार प्रदर्शन - 470 रन और शानदार औसत

लॉरा वोल्वार्ड्ट ने अक्टूबर में खेले गए महिला विश्व कप 2025 में आठ मैचों में 470 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शानदार शतक जड़ा, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कई मैचों में जीत मिली। उनका प्रदर्शन बेहद स्थिर रहा, हर मैच में उन्होंने रन बनाए और टीम को मजबूती दी। उन्होंने 67.14 की औसत और 97.91 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए दिखाया कि वह केवल एक तकनीकी बल्लेबाज़ नहीं, बल्कि एक आक्रामक मैच फिनिशर भी हैं।

'यह सम्मान मेरे लिए बेहद खास' : वोल्वार्ड्ट

पुरस्कार मिलने पर वोल्वार्ड्ट ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, 'महिला क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक आयोजन था, और भारत में विश्व कप प्रदर्शन के बाद यह सम्मान मिलना गर्व की बात है।

टूर्नामेंट में कई शानदार मैच हुए और खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' उन्होंने आगे कहा कि भले ही टीम खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन वह अपनी टीम की लड़ाकू भावना और निरंतरता पर गर्व महसूस करती हैं। 'हमने दिल से खेला, और हमें पूरा भरोसा है कि

अगला विश्व कप खिताब अब हमारी पहुँच में है। '

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में ऐतिहासिक 169 रन

वोल्वार्ड्ट के अभियान की सबसे बड़ी झलक सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ देखने को मिली, जब उन्होंने 143 गेंदों पर 169 रन ठोक डाले। उनकी इस पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 320 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया और पहली बार महिला विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया।

लगातार प्रदर्शन से बनीं नंबर 1 बल्लेबाज

विश्व कप के दौरान वोल्वार्ड्ट ने कई मैचों में अहम भूमिका निभाई
न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत में निर्णायक योगदान
भारत के खिलाफ 70 रनों की संयमित पारी
बांग्लादेश के खिलाफ 60* रनों की नाबाद पारी
पाकिस्तान के खिलाफ 90 रनों की आक्रामक पारी
इन लगातार प्रदर्शनों ने उन्हें आईसीसी महिला बल्लेबाज़ी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचा दिया।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया मुकाबला भारतीय टीम ने 209 रन के बड़े अंतर से जीता। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 292 रन बनाए थे। कप्तान दीपिका टीसी बी3 ने 58 गेंदों पर 91 रनों की पारी खेली थी। फूला सरेन बी3 ने 22 गेंदों पर नाबाद 54, अनेखा देवी बी2 ने 14, अनु कुमारी बी1 ने 14 और काव्या वी बी1 ने नाबाद 12 रन बनाए। इसके अलावा भारतीय टीम को 52 अतिरिक्त रन और 26 पेनल्टी रन मिले। 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर में 57 रन पर सिमट गई।

दीपिका टीसी बी3 को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत ने अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ जीता था। दिन का पहला मुकाबला नेपाल और श्रीलंका के बीच खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 87 रन बनाए थे। बी3 मिहिरानी दुलांजलि ने 23 रन बनाए थे। नेपाल की तरफ से कांति योगी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। बिनीता पुन ने 11 रन देकर 1 विकेट लिया।

88 रनों का लक्ष्य नेपाल ने 5.2 ओवर में हासिल कर लिया। मनकेशी चौधरी ने 22 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से नाबाद 61 रनों की पारी खेली। मनकेशी की इस विस्फोटक पारी के दम पर नेपाल ने श्रीलंका को 9 विकेट से हरा दिया। मनकेशी चौधरी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 11 से 23 नवंबर तक खेला जाएगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमरीका की टीम विश्व कप में हिस्सा ले रही है।

इस्लामाबाद आतंकी हमले के बाद खौफ में

पाक दौरा छोड़कर लौटेगी श्रीलंकाई टीम!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान दौरे पर गई श्रीलंकाई टीम के आठ खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए बम धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के चलते घर लौटने का फैसला किया है. इस्लामाबाद की एक कोर्ट में सोमवार को हुए इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे. श्रीलंका क्रिकेट के एक सूत्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की. इस घटना के कारण रावलपिंडी में गुरुवार को निर्धारित दूसरा वनडे रद्द हो सकता है. बता दें कि पाकिस्तान ने मंगलवार को खेले गए पहले वनडे में 6 रनों से जीत दर्ज की थी.

इससे पहले श्रीलंका के खिलाड़ियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर बोर्ड के सामने सवाल खड़े किए थे. उन्होंने

पाकिस्तान दौरा रद्द करने की इच्छा बोर्ड से जताई थी. जिसके बाद 8 खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से लौटने का फैसला लिया. बता दें कि श्रीलंका की टीम को तीन मैचों की इस वनडे सीरीज के बाद जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के साथ त्रिकोणीय सीरीज भी खेलनी थी. सूत्रों के मुताबिक, रावलपिंडी और इस्लामाबाद की नज़दीकी के कारण खिलाड़ियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और स्वदेश लौटने की इच्छा व्यक्त की.

नकवी ने खिलाड़ियों से की थी मुलाकात

इस्लामाबाद में हुए आतंकी हमले के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की थी और उन्हें 'फूलप्रूफ सुरक्षा' का आश्वासन दिया था . लेकिन खिलाड़ी इससे आश्वस्त नहीं थे. पाकिस्तान में खिलाड़ियों की सुरक्षा सवालों में रही है तीन साल पहले न्यूजीलैंड की टीम ने रावलपिंडी में होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज़ को आखिरी वक्त पर रद्द कर दिया था और सुरक्षा खतरे की विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद बिना मैच खेले ही वापस लौट गई थी.

2009 में श्रीलंका टीम पर हुआ था हमला

बता दें कि मार्च 2009 में, टीटीपी आतंकियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास श्रीलंकाई टीम की बस पर हमला किया था, जिसके बाद लगभग 10 साल तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बंद रहा था.